भीलवाड़ा/ बुधवार 20 नवम्बर 2024

नमस्ते राजस्थान

RNI NO. RAJHIN/2016/74127

वर्ष: 09: अंक: 21 | E-Mail: namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com | भीलवाड़ा संस्करण | पृष्ठ 08 मूल्य 4 रुपए | हिन्दी साप्ताहिक समाचार-पत्र | मो. 9214417111, 8005910698

जिला परिषद जयपुर में हुई भ्रष्टाचार की हदें पार..

सांसद-विधायक कोष में सेंध; करोड़ों की हेराफेरी!

नमस्ते राजस्थान

जयपुर/झाबर सिंह धायल। जिला परिषद जयपुर यानि भ्रष्टाचार का गढ़..ऐसा हम नहीं कहते बल्कि यहां हर दूसरे दिन सामने आने वाले कारनामें ही इसकी कहानी बयां करने के लिए काफी है। लेकिन इस बार जयपुर जिला परिषद में इस भ्रष्टाचार की हदें पार हो गई है और इसमें कई बड़े जिम्मेदार अधिकारियों के काले कारनामें भी सामने आ रहे है। मामला जुड़ा है सांसद और विधायक कोष से स्वीकृत होने वाली वित्तीय स्वीकृतियों का जिनमें बड़े स्तर पर घोटाला उजागर हुआ है। दरअसल, सांसद और विधायक कोष से निर्माण कार्यों के नाम पर स्वीकृत राशि से अधिक राशि का मूल्यांकन कर कमीशन के लालच में ठेकदार को लाभ पहुंचाने का खेल जिला परिषद में किया गया और तत्कालीन जिला परिषद सीईओ शिल्पा सिंह के संज्ञान में होने के बावजूद प्रकरण को दबाने का प्रयास किया गया और इस कारनामे में लिप्त कार्मिकों पर कोई कार्रवाई करना तक जरूरी नहीं समझा गया। एक आंकलन के अनुसार सांसद एवं विधायक कोष से हुए लगभग 1.25 करोड़ रुपए की राशि के निर्माण कार्यों में इस कमीशन के खेल को अंजाम दिया गया। यहां जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा टेंडर प्रीमियम (टीपी) राशि के नाम पर कमीशन के लालच में ठेकेदार को आर्थिक लाभ पहुंचाया गया। हालांकि जिला परिषद में हो रहे भ्रष्टाचार, अधिकारियों को भ्रष्टों एवं भ्रष्टाचार के प्रकरणों में लिप्त कार्मिकों पर मेहरबान होने सहित राजकार्य में मनमर्जी करने का यह कोई पहला मामला नहीं है। ऐसे अनेक मामले जिला परिषद जयपुर की संस्थापन जांच शाखा में धूल फांक रहे हैं जो कार्रवाई के लिए लम्बित हैं। परिषद में हो रहे भ्रष्टाचार सहित अधिकारियों की मनमर्जी करने की कार्यशैली के अनेक मामले सामने आ रहे हैं लेकिन जिला परिषद के गैर जिम्मेदार अधिकारियों पर कोई असर नहीं हो रहा है। ताजा मामले की बात करें तो विभिन्न कार्यों के लिए स्वीकृत राशि में से टीपी की राशि काटी जानी थी लेकिन नियम विरुद्ध अधिक राशि का मूल्यांकन कर कुल मूल्यांकन राशि में से नियम विरुद्ध टीपी राशि काट दी गई। विभागीय नियमानुसार यदि स्वीकृत राशि से अधिक राशि का मूल्यांकन होता है तो सीईओ को उच्च अधिकारियों से जांच करवानी चाहिए थी लेकिन सीईओ शिल्पा सिंह ने प्रकरण में जांच नहीं करवाकर महज लीपापोती कर दी।

- सांसद एवं विधायक कोष से *स्वीकृत कार्यों में कमीशन के लालच में हुआ खेला*

- सहायक अभियंता के इस काले कारनामे को मिला तत्कालीन जिला परिषद सीईओ का संरक्षण
- गंभीर वित्तीय अनियमितताओं को दबाने का किया प्रयास

गंभीर वित्तीय अनियमितताएं आई सामने, जिम्मेदारों ने ही राजकोष को लगाया करोड़ों का चूना

इस प्रकार पंचायत समितियों से लेकर जिला परिषद जयपुर में गंभीर वित्तीय अनियमितताओं को अंजाम देते हुए राजकोष को चूना लगाने का काम किया जा रहा है। लेकिन जिला परिषद जयपुर के सीईओ और एसीईओ ऐसे गंभीर भ्रष्टचार एवं वित्तीय अनियमितताओं के मामलों का संज्ञान में आने के बावजूद भी प्रकरणों में लिप्त कार्मिकों पर कार्रवाई करने की बजाय मेहरबानी रखते हुए संरक्षण देने का काम करते रहे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह भी सामने आया है कि जिला परिषद की सीईओ शिल्पा सिंह के सामने ऐसे अनेक मामले पहुंचे हैं लेकिन इन मामलों में लिप्त कार्मिकों पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। हालांकि सामने तो यह भी आया है कि सीईओ शिल्पा सिंह ने बेकडेट में ऑफलाइन पत्रावली चलवा कर कई गड़बड़ियों को भी अंजाम दिया है।

सहायक अभियंता हरीश वर्मा को मिलता रहा संरक्षण, लगातार चलता रहा कमिशन का खेल

सामने आई शिकायतों के अनुसार सहायक अभियंता हरीश वर्मा द्वारा पंचायत समिति सांगानेर में पूर्व विधायक गंगा देवी द्वारा स्वीकृत कार्यों में मूल्यांकन करने के लिए अधिकृत नहीं होने के उपरांत भी सम्बन्धित ठेकदार/फर्म से मिलीभगत कर नियम विरुद्ध एवं फर्जी एमबी/यूसी/सीसी भरने का गंभीर अपराध कर फर्जीवाड़े सहित गंभीर भ्रष्टाचार को अंजाम दिया हैं। इस एक प्रकरण में सहायक अभियंता हरीश वर्मा द्वारा अनाधिकृत रूप से 27 लाख के निर्माण कार्यों की फर्जी सीसी बिना भौतिक सत्यापन और गुणवत्ता जांच किये ही नियम विरुद्ध जारी कर दिए गए। दरअसल, हरीश वर्मा पर पिछले कई वर्षों से कई बार पदस्थापित रहने के दौरान गंभीर भ्रष्टाचार और पद के दुरुपयोग सठित गंभीर भ्रष्टाचार में लिप्त रहने के आरोप लग चुके है।

- स्वीकृत राशि से अधिक राशि का मूल्यांकन करते हुए अधिक राशि के कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र जारी कर राजकोष को लगाया लाखों का चूना
- स्वीकृत राशि से अधिक मूल्यांकन कर फिर उस राशि में से टेंडर प्रीमियम राशि काटकर भुगतान करने की प्रक्रिया कर उक्त कार्य का समायोजन

संभागीय आयुक्त ने शिकायत पर जांच कमेटी बनाई

कार्रवाई शून्य

करोड़ों की हेराफेरी का पूरा गणित समझाना है जरूरी,

ऐसे चल रहा है कमिशन का खेल

दरअसल सांसद और विधायक के द्वारा पंचायती राज संस्थाओं को विकास कार्य कराने के नाम पर अपने कोष से राशि स्वीकृत की जाती है, जिसमें सम्बन्धित विकास कराए जाते हैं। उदाहरण के लिए पूर्ववर्ती सरकार में सांगानेर से विधायक लाहोटी के द्वारा सीसी सड़क निर्माण कार्य वर्क आईडी संख्या 2022.23 /27091 जिसकी वित्तीय स्वीकृति 6736.39 दिनांक 14.03.2023 स्वीकृत राशि 10 लाख रूपये जिसमें कार्यकारी एजेंसी विकास अधिकारी पंचायत समिति सांगानेर जयपुर को निर्धारित किया गया। उक्त कार्य की मूल्यांकन राशि 10 लाख 70 हजार 851 रूपये की गई तथा भुगतान के लिए अनुमत राशि 9 लाख 64 हजार 574 को समायोजन योग्य माना। जबकि विभागीय नियमानुसार स्वीकृत राशि में से टेंडर प्रीमियम राशि को काटकर भुगतान किया जाना होता है। लेकिन यहां अधिकारियों ने कमीशन के लालच में ठेकेदार से मिलीभगत कर अनेक निर्माण कार्यों में स्वीकृत राशि से अधिक मूल्यांकन कर फिर उस राशि में से टैंडर प्रीमियम राशि काटकर भुगतान करने की प्रक्रिया कर उक्त कार्य का समायोजन करने का खेल कर दिया। यानी स्वीकृत राशि 10 लाख में से टेंडर प्रीमियम राशि काटने सहित अन्य कटौतियां काटकर भुगतान किया जाता जो नहीं किया गया ।

- तत्कालीन जिला परिषद सीईओ सहित कई अन्य कार्मिकों पर गंभीर आरोपों की की गई शिकायतें, कार्रवाई जीरो

शिकायतों के अनुसार सहायक अभियंता हरीश वर्मा के इस भ्रष्टाचार में नितेश टाटीवाल सहित आकाश गुप्ता मुख्य रूप से संलिप्त बताए जा रहे है। आकाश गुप्ता, सांख्यिकी अधिकारी के पद पर कार्यरत रहे और गुप्ता को नियम विरुद्ध और बिना किसी आदेश के एम.पी/एमएलए की स्कीम का चार्ज दिया गया बताया गया। शिकायतों के अनुसार जिला परिषद् जयपुर में हरीश वर्मा के सानिध्य में भ्रष्टाचार की एक गैंग के तहत भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया जा रहा हैं। इन आरोपियों द्वारा बिना वार्षिक कार्य योजना के अनेक कार्यों की अनेक स्वीकृतियां फर्म और ठेकेदार से मिलीभगत कर नियम विरुद्ध जारी की गई। इसके साथ ही शिकायतों में सुमन देवी द्वारा और तत्कालीन शिल्पा सिंह का संरक्षण होने की बात भी सामने आई है।

पुतिन ने नई परमाणु नीति पर किए हस्ताक्षर, बाइडन के फैसले से एटमी जंग के मुहाने पर दुनिया?

नमस्ते राजस्थान

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को एक अहम फैसले के तहत संशोधित परमाणु नीति पर हस्ताक्षर किए हैं। इस नई नीति के तहत अगर कोई देश किसी परमाणु युद्ध संपन्न देश की मदद से रूस पर हमला करता है तो इसे देश पर संयुक्त हमला माना जाएगा और उस स्थिति में रूस की सरकार परमाणु हथियार का इस्तेमाल कर सकेगी। हालांकि इस स्थिति में कुछ शर्तें भी जोड़ी गई हैं। पुतिन का यह फैसला रूस-यूक्रेन युद्ध के एक हजार दिन पूरे होने के अवसर पर सामने आया है।

जो बाइडन के फैसले ने बढ़ाया परमाणु युद्ध का खतरा?

अमेरिका में जो बाइडन की सरकार ने जाते जाते यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलों से रूस के भीतर हमले की मंजूरी दे दी है। इस पर रूस ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए मुंहतोड़ जवाब देने की बात कही थी। पुतिन द्वारा संशोधित परमाणु नीति पर हस्ताक्षर के कदम को भी बाइडन के फैसले का ही जवाब माना जा रहा है। रूस की नई परमाणु नीति में ये प्रावधान किया गया है कि रूस पर अगर बड़े पैमाने पर हवाई हमला होता है तो उसके जवाब में रूस परमाणु हथियार का इस्तेमाल कर सकता है।
उल्लेखनीय है कि यूक्रेन की सेना द्वारा अमेरिकी की लंबी दूरी की मिसाइलों का इस्तेमाल पहले भी किया जा रहा था, लेकिन ये इस्तेमाल सिर्फ सीमावर्ती इलाकों तक सीमित था। अब सत्ता से जाते जाते बाइडन ने बड़ा फैसला लेते हुए यूक्रेन को रूस के भीतर भी लंबी दूरी की मिसाइलों से हमले की मंजूरी दे दी है।

महाराष्ट्र चुनाव से एक दिन पहले बीजेपी नेता विनोद तावड़े पर पैसे बांटने के आरोप, 9 लाख नकद जब्त

नमस्ते राजस्थान

मुंबई। महाराष्ट्र चुनाव से ठीक पहले कैश कांड सामने आया है। बीजेपी महासचिव विनोद तावड़े पर पैसे बांटने के आरोप लगाया गया है। इस बीच चुनाव आयोग की शिकायत पर विरार के तुलिंज पुलिस स्टेशन में ये केस रजिस्टर्ड हुआ है। बीजेपी उम्मीदवार राजन नाइक पर भी केस दर्ज हुआ है। पुलिस कमिश्नर मधुकर पांडे के मुताबिक कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। चुनाव आयोग ने करीब 9 लाख से ज्यादा कैश और कुछ डॉक्यूमेंट्स भी जब्त किये हैं।

फ्लाइंग ने मौके से कैश किया बरामद- मुख्य चुनाव अधिकारी

वहीं इस मामले पर अतिरिक्त मुख्य चुनाव अधिकारी महाराष्ट्र किरण कुलकर्णी ने कहा कि सभी चीज अंडर कंट्रोल में हैं ,हम लॉ के अनुसार काम करेंगे। उन्होंने बताया कि नालासोपारा में

सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। आचार संहिता का पालन करने के लिए गठित चुनाव मशीनरी की फ्लाइंग भी मौके पर पहुंची। फ्लाइंग ने परिसर का जायजा लिया और कुछ जब्ती भी की है दरअसल, वसई विरार में बहुजन विकास आघाडी ने लगाया विनोद तावड़े पर पैसे बांटने का आरोप लगाया था। इस आरोप में पालघर के नालासोपारा में बीजेपी और बहुजन विकास आघाडी के कार्यकर्ताओं के बीच हुआ झगड़ा भी हुआ।

बेनीवाल की चेतावनी के बाद हरकत में आई सरकार, सीबीआई करेगी अनीता चौधरी हत्याकांड की जांच

नमस्ते राजस्थान

जोधपुर। अनीता चौधरी की हत्या जोधपुर में बीते कई दिनों से चल रहा धरना आज समाप्त हो गया है। सरकार ने मामले की जांच सीबीआई से करवाने पर सहमति दे दी है। गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार ने बताया कि सरकार इस मामले में सीबीआई को चिट्ठी लिखेगी। गौरतलब है कि सोमवार को नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल के नेतृत्व में बड़ा धरना दिया गया था, जिसमें अनीता चौधरी केस की जांच सीबीआई से करवाने की मांग की गई थी। मामले की जांच सीबीआई को सौंपे जाने पर सहमति बनने के बाद अनीता चौधरी के परिजनों का धरना भी समाप्त हो गया है। सरकार ने अनीता चौधरी के परिजनों को 51 लाख रुपये की

आर्थिक सहायता दिए जाने का भी ऐलान किया है। जोधपुर की बहुचर्चित अनीता हत्याकांड मामले मामले में मंगलवार 19 नवंबर को 20 दिन बाद धरना समाप्ति की घोषणा हुई। हनुमान बेनीवाल के धरना स्थल पर पहुंचने के साथ ही वहां हजारों की भीड़ जुट गई। इसके बाद आनन-फानन में प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर परिजनों की मांग पर सहमति दी। सरकार की ओर से अधिकारी और ओसियां विधायक भैराराम सियोल ने लोगों से बात की, जिसके बाद चार मांगों पर सहमति बनी।

शिक्षा मंत्री दिलावर बोले, सरकारी स्कूल में दो करोड़ का करो दान, स्कूल होगा आपके नाम

नमस्ते राजस्थान

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा है कि राजस्थान में कोई भी बच्ची फर्श पर बैठकर न पड़े यह हमारा विजन है और इसको साकार करने के लिए हम प्रयास कर रहे हैं। बालिका शिक्षा पर हमारा विशेष जोर है। शिक्षा मंत्री दिलावर पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में द कॉन्क्लेव होटल में प्रवासी राजस्थानी परिषद द्वारा आयोजित एक कदम शिक्षा की ओर कार्यक्रम में बोल रहे थे। दिलावर ने कहा कि सरकार हर स्तर पर सहयोग और समर्थन करने को तैयार है। गत वर्ष में प्रदेश में 138 भामाशाह ने शिक्षा विभाग में एक हजार करोड़ से अधिक का निवेश किया। यदि कोई दानदाता 2 करोड़ से अधिक रुपए स्कूल में निवेश करते है तो स्कूल का नाम आपके नाम पर किया जाने की सरकार की योजना है। दिलावर ने कहा कि आप अपनी सुविधा अनुसार स्कूल गोद लेकर भी अपना योगदान दे सकते है।
शिक्षा मंत्री दिलावर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राइजिंग राजस्थान इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिससे जुडकर आप राजस्थान की शिक्षा व्यवस्था का कायाकल्प करने में सहभागी बन सकते है। पूरे देश विदेश में मारवाड़ी अपना परचम लहरा रहे हैं। और आपका अपनी मातृभूमि से जुड़ाव भी है।

प्रदेश में 303 माइनर मिनरल ब्लॉकों की सफल ई-नीलामी, मिलेगा 374 करोड़ का राजस्व

नमस्ते राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री व खान मंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में भारत सरकार के ई-पोर्टल पर 34 मेजर मिनरल ब्लॉकों की सफल नीलामी कर राजस्थान समूचे देश में पहले स्थान पर आ चुका है। अब तक 303 माइनर मिनरल ब्लॉकों की सफल ई-नीलामी की जा चुकी है। इससे राजस्थान सरकार को 374 करोड़ 98 लाख रुपए का राजस्व प्राप्त होगा।

प्रीमियम की 40 प्रतिशत की पहली किश्त का राजस्व मिला

प्रमुख शासन सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने बताया है कि राज्य में वित्तीय वर्ष 2024-25 में 13 नवंबर,

2024 तक 303 माइनर मिनरल ब्लॉकों की सफल ई-नीलामी की जा चुकी है। इससे राज्य सरकार को प्रीमियम के रुप में तीन किश्तों में 374 करोड़ 98 लाख रुपए का राजस्व प्राप्त होगा। प्रीमियम की 40 प्रतिशत की पहली किश्त के रूप में राज्य सरकार को 149 करोड़ 99 लाख रुपए का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

वैध खनन को बढ़ावा देकर राजस्व व रोजगार में बढ़ोतरी है टारगेट

प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देशन में विभाग द्वारा मेजर और माइनर मिनरल के अधिक से अधिक ब्लॉक तैयार कर ऑक्शन करने पर बल दिया जा रहा है ताकि अवैध खनन पर रोक और वैध खनन को बढ़ावा देकर राजस्व व रोजगार में बढ़ोतरी हो सके।

अंतिम चरण में हैं करीब 250 माइनर मिनरल ब्लॉकों के ऑक्शन की तैयारी

प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि माइनर मिनरल्स में मार्बल, ग्रेनाइट, सेण्ड स्टोन, सोप स्टोन, केल्साइट, क्ले, रेड ऑकर, क्वार्टस-फेल्सपार आदि आदि मिनरल आते हैं। उन्होंने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में 709 हैक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल के 303 ब्लॉकों का सफल ऑक्शन भारत सरकार के ई-पोर्टल के माध्यम से किया जा चुका है। 190 हैक्टेयर क्षेत्रफल के 120 माइनर मिनरल ब्लॉकों की ऑक्शन प्रक्रिया जारी है। वहीं 250 से अधिक माइनर मिनरल ब्लॉकों के ऑक्शन की तैयारी अंतिम चरण में हैं।

सर्वाधिक 422 माइनर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी वर्ष 21-22 में हुई

निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि पिछले आठ साल में सर्वाधिक 422 माइनर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी 21-22 में हुई थी। इस साल माइनर मिनरल ब्लॉक तैयार किया गया। फिर ऑक्शन का रोडमैप तैयार कर कार्रवाई आरंभ की गई। जिसका परिणाम है कि मेजर मिनरल ब्लाकों के ऑक्शन की तरह ही माइनर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी का भी नया रिकॉर्ड बनाया जाएगा।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस

उदारतापूर्वक दान देकर सशस्त्र बलों के प्रति करे गहरी कृतज्ञता

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा, सशस्त्र सेना झण्डा दिवस (झंडा दिवस) भारतीय सशस्त्र बलों के कर्मियों के कल्याण हेतु सन् 1949 से प्रतिवर्ष 07 दिसम्बर को मनाया जाता है। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने बताया कि युद्ध के समय हुए जान-माल की हानि के बाद देशवासियों का कर्तव्य बनता है कि वो अपने सैन्य कर्मियों, उनके परिवार के कल्याण के कार्यों में सहयोग करें। हम सभी को हमारे शूरवीरों की कीर्ति गाथाओं पर गौरव है. जिन्होंने 1947-48, 1962, 1965. 1971 व 1999 के युद्धों व आंतरिक संघर्ष में बहादुरी से लड़ते हुए दुश्मन व आतंकवादियों के घुटने टिका दिये। उन्होंने बताया कि देशवासियों द्वारा दिया गया दान देश सेवा में अशक्त हुए सैनिकों, शहीदों एवं उनके परिवारजनों के कल्याण हेतु काम आता है।

उन्होंने इन शूरवीरों एवं शहीदों के परिवार जनों के लिए सभी सर्वविदित परम्पराओं को ध्यान में रखते हुए सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर प्रदेश में संचालित विभिन्न प्राईवेट संस्थानों, युविनर्सिटीज, स्कूलों के संचालकों एवं कॉरपोरेट क्षेत्र के सभी दानताओं एवं प्रदेश के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे उदारतापूर्वक दान देकर सशस्त्र बलों के प्रति हम सब गहरी कृतज्ञता अभिव्यक्त करे। दान जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में उपस्थित होकर या जिला सैनिक कल्याण अधिकारी के नाम से डी०डी०/ बैंक के माध्यम से एवं विभाग के क्यूआर स्कैनर के माध्यम से भी किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु इच्छुक पंजीकृत कोचिंग संस्थाओं से आवेदन प्रस्ताव आमंत्रित

भीलवाड़ा, मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजनान्तर्गत विभिन्न प्रोफेशनल कोर्स के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षाओं एवं सरकारी नौकरियों के लिये आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कोचिंग संस्थानों के माध्यम से उत्कृष्ट ढंग से कराने हेतु योजनान्तर्गत सूचीबद्ध होने के लिये इच्छुक पंजीकृत कोचिंग संस्थाओं के आवेदन प्रस्ताव सत्र 2024-25 के लिये आमंत्रित किये जाते है।

सांस अभियान के पोस्टर का सीएमएचओ डॉ० गोस्वामी ने किया विमोचन

बच्चों को निमोनिया बीमारी के बचाव के लिए करेंगे जागरूक

नमस्ते राजस्थान

भीलवाडा, चिकित्सा विभाग द्वारा जिले में बच्चों में निमोनिया से बचाव, रोकथाम एवं उपचार पर कार्य करते हुए सांस (सोशल अवेयरनेस एण्ड एक्शन टू न्यूट्रलाइज निमोनिया सक्सेसफुल) अभियान की शुरूआत की गयी है। यह अभियान आगामी 28 फरवरी, 2025 तक आयोजित किया जायेगा। अभियान के व्यापक प्रचार प्रसार के संबंध में मंगलवार को सीएमएचओ डॉ. चेतेन्द्र पुरी गोस्वामी व जिला आरसीएच अधिकारी डॉ. संजीव शर्मा ने सांस अभियान के पोस्टर का विमोचन किया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चेतेन्द्र पुरी गोस्वामी ने बताया कि देश में 5 वर्ष तक के बच्चों में निमोनिया एवं उससे होने वाली जटिलता बच्चों में होने वाली मृत्यु का एक मुख्य कारण है। सांस (सोशल अवेयरनेस एण्ड एक्शन टू न्यूट्रलाइज निमोनिया सक्सेसफुल) अभियान के दौरान जिले में स्वास्थ्य केन्द्रों पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर आमजन को निमोनिया के बारे में जागरूक किया जायेगा तथा 5 वर्ष तक समस्त बच्चों की निमोनिया की स्क्रीनिंग की जायेगी। अभियान को सफल बनाने के लिए चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को जिला स्तर से निर्देश दिये गये है।

निमोनिया के लक्षणः- यदि बच्चों में खांसी और जुखाम का बढ़ना, तेजी से सांस लेना, सांस लेते समय पसली चलना या छाती के अन्दर धंसना, तेज बुखार का आना जैसे लक्षण दिखाई दे, तो यह निमोनिया हो सकता है। इस स्थिति में तत्काल नजदीकी चिकित्सालय में बच्चे की जांच एवं पूर्ण उपचार करवाएं।

शहर के गणमान्य पाषँदो ने अधिशाषी अधिकारी को पत्र दिया बोर्ड की मिटिंग बुलाने का

सरकार ने प्रशासनिक अधिकारी को नियुक्त कर दिया अब मिटिंग बुलाने की याद कैसे आई

नमस्ते राजस्थान

शिवगंज नगर पालिका पाषँद बीजेपी व निर्दलीय ने बोर्ड की साधारण बैठक बुलाने की मांग की अधिशाषी अधिकारी को पत्र दिया जनप्रतिनिधि ने बोर्ड की बैठक 1 वर्ष मे अधिक से अधिक या छह बार मिटिंग होनी चाहिए लेकिन आज तक बोर्ड की बैठक नहीं बुलाकर कमेटी की बैठक बुलाने से पार्षदों के साथ कुठाराघात किया जा रहा है समय से बोर्ड की बैठक नहीं होने के विकास की कार्यो मे रूकावट आ रही है शहर विभाजन किया गया है कि खाँचा भूमि पत्रावली विचार विमर्श 69क के पट्टे निस्तारण करने बाबत पुराने पालिका भवन पर विचार विकास कार्य करवाने बाबत क्या इन पार्षदों ने लिखकर दे दिया भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल अध्यक्ष को पता होना चाहिए अब बोर्ड समाप्त हो चुका है आज का दिन लास्ट है फिर यह नौटंकी करने की कहां जरूरत इन्होंने लिखित में दिया पत्र से साफ जाहिर होता है कि सुमेरपुर वालों ने पत्र देकर मीटिंग बुलाई जो आज संपन्न हो गई सब जगह बुलाई गई

नगर पालिका अध्यक्ष ने तो बिल्कुल ही बोर्ड की बैठक नहीं बुलाने की कसम खाई हो इन्होंने सिर्फ पूर्व विधायक के कहने पर ही मीटिंग बुलाई गई थी वह जिस मीटिंग में पूर्व विधायक उपस्थित होते थे वही मीटिंग होती थी बाकी निरस्त हो जाती थी कमेटी मिटिंग मे खूब घोटाले किए खूब भ्रष्टाचार किया पर विपक्ष चुप बैठा रहा भारतीय जनता पार्टी सरकार बनने के बाद भी भारतीय जनता पार्टी के नगर मंडल अध्यक्ष वह पाषँद चुप बैठे थे इसका मतलब क्या इनको पता है शिवगंज नगर पालिका में सैकड़ो पट्टे फर्जी बने अवैध काम हुए उनका पता नहीं इतनी अखबारों में आने के बाद भी इन्होंने कोई शिकायत नहीं की नहीं करवाई करने का लिखा क्योंकि नगर मंडल अध्यक्ष खुद के नाम के प्लॉट अभी दे वह क्या शिकायत करेंगे सब बंदे हुए हैं पालिका अध्यक्ष के खिलाफ कोई बोलने को तैयार नहीं है ऐसे ही चल रहा तो भारतीय जनता पार्टी की शहरी सरकार आगे नहीं बनेगी शहर की जनता दुखी है जगह-जगह पर खड्डे हुए पानी की समस्या है इतनी समस्या होने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं करवाना मतलब राजस्थान के राज्य मंत्री ओटाराम देवासी भी नहीं सुन रहे क्या जनता के साथ कुठाराघात हो रहा है अगर यह पार्षद एक्टिव होते तो इनको 10 दिन पहले पत्र भेजने कलेक्टर को मीटिंग बुलाने का अधिकार कलेक्टर को है अगर पालिका अध्यक्ष नहीं सुनते हैं तो इन्होंने तो वह भी टाइम पूरा कर दिया क्या जरूरत थी पत्र देकर जनता को बताने की कि हम जनता के साथ फजीर्वाडा करना आता है नगर मंडल अध्यक्ष को अब अपना काम निकाला है जनता व भाजपा के कार्यकर्ताओ का सब परेशान है।

अवैध खनन को लेकर प्रशासन सख्त, जीरो टॉलरेंस की नीति अपना की जा रही कारवाई

विशेष अभियान के तहत प्रथम दिन जिले में कुल 9 प्रकरण बनाकर 9 वाहन और 37 टन बजरी जब्त

25 नवंबर तक चलेगा विशेष अभियान

03 प्रकरणों में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा, जिले में अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है, जिसमें जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई की जा रही है। यह अभियान 25 नवंबर तक चलेगा, जिसके तहत पहले दिन ही 9 प्रकरण दर्ज कर 9 वाहन और 37 टन बजरी जब्त की गई है। इसके अलावा, तीन प्रकरणों में प्रथम सूचना रिपोर्ट भी दर्ज की गई है। खनि अभियंता चंदन कुमार ने बताया कि अभियान के प्रथम दिन जिले के बीगोद में अवैध बजरी परिवहन कर रहे बजरी से भरे 2 ट्रेक्टर ट्रॉली एवं थाना मांडलगढ़ में पिथा जी का खेड़ा के पास अवैध बजरी परिवहन कर रहे बजरी से भरे 1 ट्रेक्टर ट्रॉली को खनिज बजरी का अवैध निर्गमन करते हुए जब्त किया गया। तीनों प्रकरणों में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई। साथ ही आसींद, गुलाबपुरा और रायपुर में 2झ2 ट्रेक्टर ट्रॉली खनिज बजरी का अवैध निर्गमन करते हुए जब्त किए गए। इस संबंध में अभियान की क्रियान्विति के लिए जिला कलक्टर श्री नमित मेहता और पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट के वीसी कक्ष से बैठक लेकर जिले के समस्त उपखण्ड अधिकारियों, तहसीलदारों, पुलिस विभाग के अधिकारियों तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए थे। बैठक के दौरान जिला कलक्टर ने अवैध खनन, निर्गमन तथा भण्डारण की रोकथाम के लिए अधिकारियों को अवैध खनन के विरुद्ध जीरो टोलरेंस रखते हुए अधिकाधिक कारवाई के निर्देश दिए थे।

पूर्व विधायक ने झूठी वाह वाह लूटने मे कोई कसर नही छोडी

पुलिया निर्माण की जाँच कर दोषी अधिकारीओ के विरुद्ध कारवाई करावे

नमस्ते राजस्थान

शिवगंज पुलिया निर्माण हो रहा पुलिया निर्माण कार्य किया जा रहा वह राजस्व रिकार्ड में तरमीम रास्ते पर नहीं करवा कर जिस स्थान पर निर्माण कार्य किया जा रहा है उस स्थान का एक भाग जो श्री गौतम ऋषि महादेव मंदिर को जोड़ने वाला पुलिया का एक स्पेन (रस्त्रंल्ल) एवं पुलिया अबर्टमेंट दिवार एवं एप्रोच सड़क वन विभाग की सीमा एवं भूमि में आता है जिसकी वन विभाग से कोई सक्षम स्तर की अनापत्ति प्रमाण पत्र भी नहीं लिया गया ओर इस कार्य का तकमीना वन विभाग सिरोही की बिना जानकारी के तत्कालीन अंतरिम प्रबंध कमेटी एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग सिरोही द्वारा बनाया है एवं जो निर्माण कार्य करवाया गया है वह अवैध है एवं वन विभाग सिरोही द्वारा कार्य प्रारम्भ करवाते समय ही रूकवाया गया उसके उपरान्त भी कार्यकारणी एजेन्सी एवं तत्कालीन अंतरिम प्रबंध कमेटी द्वारा वन विभाग पर दबाव बनाकर मोखिक स्वीकृति अनुसार कार्य करवाया जा रहा है इसी प्रकार दूसरा निर्माण कार्य सबमर्सिबल पुलिया निर्माण चोटिला भागली के पास नदी पर बनाया जा रहा है यह चोटिला भागली को जोड़ने के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा तकमीना बनाकर कार्य करवाये जा रहे हैं जो नियम विरूद्ध मूल स्वीकृति स्थल से लगभग एक किलोमीटर दूरी पर नियम विरूद्ध करवाया जा रहा है जहां पूर्व में रपट का निर्माण किया हुआ है । मीणा ने बताया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा की गयी घोषणा एवं निर्माण कार्य का मीणा समाज के लोगो ने कई बार राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन को ज्ञापन दिये एवं उपखंड़ कार्यालय शिवगंज पर विरोध प्रर्दशन किये यहां तक मीणा समाज के लोगो ने एवं वन विभाग द्वारा भी उक्त कार्यो को रूकवाया गया परन्तु सार्वजनिक विभाग सिरोही एवं तत्कालीन अंतरिम प्रबंध समिति की मिली भगत एवं हठधर्मिता से यह अवैध निर्माण कार्य करवाये जा रहे हैं एवं मीणा समाज के लोगो के विरूद्ध को सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा मीणा पुलिस थाना पालड़ी एम. राज कार्य में बांधा डालने का मुक्कदमा भी दर्ज करवाकर समाज के लोगो पर दबाव बनाकर सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं तत्कालिन अंतरिम प्रबंध समिति मिलकर सरकारी राशि हड़पने के लिए दुरूपयोग किया जा रहा है कार्यकारी एंजेसी सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं प्रस्ताव देने वाली तत्कालीन अंतरिम प्रबंध समिति द्वारा नियम विरूद्ध प्रस्ताव बनाकर करवाये गये निर्माण कार्यो को रूकवाकर अब तक व्यय की गयी राशि वसूल कर दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की।

जिला कलक्टर नमित मेहता के नेतृत्व में शहर को अतिक्रमण मुक्त करने के अभियान की हुई शुरूआत

शहर को अतिक्रमण मुक्त,स्वच्छ और सुंदर बनाने में शहरवासी दे सहयोग: जिला कलक्टर

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा, जिला कलक्टर नमित मेहता के निर्देशन में शहर को अतिक्रमण मुक्त करने के अभियान की शुरूआत मंगलवार से की गई। अभियान के प्रथम दिन शाम तक अजमेर चौराहा से आरजिया चौराहे के बीच सड़क के एक तरफ से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। इस मुख्य मार्ग पर से बाकी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई बुधवार को पूरी की जाएगी।

रोजाना निगरानी के लिए टीम गठित

नगर निगम आयुक्त हेमाराम चौधरी ने बताया कि शहर में अतिक्रमण के खिलाफ चलाए गए अभियान के पहले दिन कई महत्वपूर्ण कार्यवाहियां की गईं। प्रथम दिन अभियान में लगभग 37 दुकानों के टीन शेड हटाए गए, जो सड़कों और गलियों में अतिक्रमण कर रहे थे। इसके साथ 5 केबिन भी हटाने की कार्रवाई भी की गई। इसके अलावा 18 दुकानों और प्रतिष्ठानों

अभियान के प्रथम दिन 37 दुकानों के टीन शेड हटाए, 18 दुकानों और प्रतिष्ठानों द्वारा फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण सहित 5 अवैध केबिन को हटाया

द्वारा फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण को भी हटाया गया। इस व्यवस्था को कायम रखने के लिय निगम की एक टीम बनाई है जो रोज दिन में राउंड लेगी। अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम, यूआईटी, प्रशासन, पुलिस की संयुक्त टीमें सुबह 11 बजे से पुलिस जाब्ते के साथ पहुंची। इस दौरान पहले से मार्किंग किए अतिक्रमण को सबसे पहले हटाया गया। दुकानों के मूल आकार से ज्यादा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

जिला कलक्टर की आमजन से अपील

जिला कलक्टर नमित मेहता ने कहा कि यह अभियान शहर को अतिक्रमण मुक्त कर शहर की सड़को को सुगम और सुंदर बनाने के लिए शुरू किया गया हैं। मुख्य मार्गों पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने के साथ ही यह पहल शहर के यातायात की समस्याओं को हल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि लोग शहर को अतिक्रमण मुक्त, स्वच्छ और सुंदर बनाने में सहयोग करें। गौरतलब है कि जिला कलक्टर नमित मेहता ने शहर की ट्रैफिक समस्या को देखते हुए बैठक लेकर भीलवाड़ा की प्रमुख सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने के निर्देश दिए थे। इसी की पालना में अभियान की शुरूआत की गई। नगर निगम, यूआईटी, प्रशासन, पुलिस की टीम ने संयुक्त निरीक्षण कर व्यापारियों को समझाया और इसके बाद अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। इस अवसर पर नगर निगम कमिश्नर हेमाराम चौधरी, यूआईटी तहसीलदार नीरज रावत, ट्रैफिक सीओ सुरेश, एक्सईएन जीतराम जाट, एईएन रामप्रसाद जाट, जेईएन रुचि अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहें।

ऑपरेशन हुँपलॅप के तहत साईक्लोनर सैल की धमाकेदार कार्रवाई, एस.ओ.जी. में वांटेड आरोपियों को धरदबोचा

नमस्ते राजस्थान

श्री विकास कुमार, महानिरीक्षक पुलिस जोधपुर जोधपुर ने बताया कि कुख्यात वांछित 25 हजार का ईनामी अपराधी दीपक विश्नोई पुत्र बाबुलाल, जाति विश्नोई, निवासी विष्णुनगर, पुलिस थाना दुणी, जोधपुर एवं एसओजी में ही वांछित आरोपी मनोहर पुत्र पुनाराम विश्नोई, निवासी चम्पा की डाणी, ग्राम डुगरपुर, थाना रौहट, जिला पाली को धरदमी कर तूफानी कार्यवाही को अंजाम देने में सफलता हासिल की है।

01. एसओजी के मर्ती घोटोले में मटिड दीपक विश्नोई एवं मनोहर को धरदबोचने में साईक्लीनर टीम
एवं एसओजी को मिली बढ़ी सफलता। 02. अभियुक्तों को पकड़ने के लिये श्री अरविन्द अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (अमरा एवं सतर्कता) रंज
कार्यालय एवं श्री मनराज मीणा अति पुलिस अधीक्षक एसओजी के निर्देशन में रेंज स्तरीय साईकलोनर टीम के निर्देशन में श्री जीतेन्द्र सिंह निरीक्षक पुलिस, श्री कन्हैयालाल, श्रीमती सरोज श्री देवाराम विश्नोई उप निरीक्षक पुलिस के नेतृत्व में अलग-अलग टीमों का गठन किया जाकर कार्यवाही को अंजाम दिया गया।
03. दोनों ही आरोपी अत्यंत शातिर थे एवं तकनीकी उपकरणों का प्रयोग नहीं करते थे तथा निश्चित थे कि अब उन्हें कोई पकड़ नहीं सकता।
दीपक जब मागते मागते थक गया तो उसकी पत्नी के पौहर बालों ने उसे ऑफर दिया हमारे गांव रामहावास में आकर धूप जाओं, यहा पुलिस नहीं आ सकती। दीपक वहीं छुपकर लम्बे समय तक बचता रहा।
गाय के एक मात्ति ने दो दिन पहले बाजार में शेखी बघारी की हमारे गांव में पुलिस नहीं पुरा सकती तथा जो चाहे वह हमारे गांव में घूम सकता है। उसने दीपक का हवाला भी दिया। इस सूत्र सूचना से साइक्लोनर टीम

को दीपक दीपक के तिकाने व मनोहर के ठिकाने का पल मला। आज सुगा तयके पुलिस ने दबिश देकर दोनों का उठा लिया तथा एस०बी०जी० के हवाले कर दिया।
04. साईक्लीनर सेल एवं एस०ओ० ने कबे से कंधा मिलाकर कई महिनों के अथक प्रयासी से उका अपराधियों को घरदबोचने में सफलता प्राप्त की है।

तरीका ए वारदात जीरो से बना हीरो, फिर हुआ जी.....

एक शादी समारोह में दीपक की मुलाकात एक पेपर माफिया किंगपिन से हुई। किंगपिन ने दीपक को ब्लूदूध के जरिये खाकी वर्दी पहनाने का सपना दिखाया। वर्ष 2014 में जगदीश विश्नोई ने ब्लूट्य से पेपर सील्य कस्याकर छद्म तरीके से जेल प्रहरी के रूप में दीपक का खाकी पहनने का सपना पूरा किया।
आरोपी दीपक येन केन प्रकारेण अपनी पत्नी सुमन को भी राजयोग दिलाने की लालसा में सुमन को भी हवालात की हवा खानी पड़ी। पानी सुमन के लिये पीट परीक्षा का पेपर अपनी गैंग से 12
लाख में खरीद कर जुगाड बैठाया परन्तु कजीर्यावा उजागर हो गया एवं पत्नी सुमन को गिरफ्तार शीकर जेल की हवा खानी पड़ी।
पत्नी सुमन की सहेली द्वारा कार लेने पर पानी ने दीपक को उलाहना दी कि क्या मतलब है
आप कार भी नहीं खरीद पा रहे हो। जुगाडु दीपक कार खरीदने के जुगाव में लग गया व जैल प्रहरी की ड्यूटी दे रहे दीपक ने एक अपराधी से मिलने आये मेवात क्षेत्र एक मर्ती माफिया से पहचान एवं सांठगांठ कर भर्तियों में फजीर्वाडे का जुगाड़ बैठाया।
. भर्ती माफिओं के साथ मिलकर दीपक ने जेईएम, वनखक्षक, पी०टी०आई० एवं सीएचजी आदि 4 भर्ती परीक्षाओं में वृहद स्तर पर पेपर लीक अन्य तरीकों से फजीर्वाड़ा कर पैसे कमाने का जुगाव बैठाया एवं लाखों रुपये का वारा नारा किया।
दीपक ने रातो रात लखपति होने का सपना संजोकर मैयात निवासी पेपर माफिया द्वारा मेजे गये जेईएन परीक्षा के पेपर को जोधपुर निवासी एक पेपर माफिया को 40 लाख रुपए एडवान्स लेकर
बेच दिया था। जो बाद में फजीर्वाड़ा करते हुए धरा गया एवं दीपक का घोटाला उजागर हो
गया। आरोपी दीपक पहले खुद ब्ल्यूटूध से फजीर्वाड़ा कर वर्ष 2014 में जेल प्रहारी के रूप में नहीं हुआ, हाबाद स्वयं बन गया फजीर्वाडे का नटवरलाल।
7. अप्रैल 2024 में दीपक का दलाल उल्ड मर्ती में कजजीर्यार्ड में पकड़ा गया था। उसको दीपक ने
पेपर दिया था। फरारी में दिन का चैन गया, रातों की नींद
दोनी अपराधी लगातार अपने रिश्तेदारों के यहां पाली, बाड़मेर साचीर गुंदोज में प्रियते रहे तथा हर एक जगह पर 3-4 से ज्यादा नहीं रहते थे।
2. आरोपी दीपक के अनुसार पहले वह जेल विभाग में रहते हुए विकास कुमार के अंदर काम कर चुका था तथा यह नयमीत था कि यदि उसका नाम उनके राद्वार पर आ गया तो फिर मुझे कोई बचा नहीं पायेगा। कल भर्ती घोटाला की अपराधी इमारती की गिरफ्तारी की सूचना मिलते है दीपक बहुत घबरा गया था तथा सारी रात उनींदा रहा तथा स्वयं ऐसे स्थान पर सोया था कि
किसी की आहट जगते ही वहां से फरार हो जाये। अलसुबह पुलिस टीम आई तब दीपक चिता में जाग रहा था तथा भनक लगते ही दीवार फांदते हुए भागने की कोशिश की। मुस्तैद पुलिस टीम के सुनियोजित कॉर्डन में फंस ही गया।
सब कुछ नकली फर्जी डिग्री, छद्म पेपर एवं ब्ल्यूटूथ
आरोपी दीपक की पत्नी सुमन ने कहा कि आपका इतना बडा नेटवर्क है और घर से इतने दूर रहते हो। आप भी मास्टर बनो एव मुझे मी बनाओ। इस बात पर दीपक ने अपना कुरिसात आपराधिक दिमाग लगाया एवं बीपीएड की छदम डिग्री से पीटीबाई बनने का सपना संजोया।
फजीर्वाडे का मास्टर माइंड दीपक ने उदयपुर निवासी एक व्यक्ति से बीपीएड की छदम डिग्री नापा कर वर्ष 2023 में 15 लाख रुपए देकर ब्लुटुथ से पेपर साल्य कर पीटीआई बनकर अपनी पत्नी का सपना पूरा किया।
आरोपी दीपक ने धन कमाने की लालसा में उदयपुर निवासी फर्जी डिग्री माफिया के माध्यम से
फर्जी डिग्रीया इंटनी शुरू कर दी।
आरोपी दीपक के पास हर प्रकार की डिग्रीगा उपलका भी गथा बीटेक, बीएससी, बीपीएड। दीपक ने परीक्षा भर्ती घोटालों एवं फर्जी दिग्रियां बांटकर अभी तक करोड़ो कमाये है। दीपक को याद भी नहीं कि उसने कितने फर्जी अभ्यर्थियों को बिठाया है।

कार्यवाही टीम का विवरण:

श्री अरविन्द, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (अपराध एवं सतर्कता) रेंज कार्यालय एयन ब नराज मीणा अक्तिः पुलिस अधीक्षक एसओजी के निर्देशन में पेज स्तरीय साईकलोनर टीम के निर्देशन में रेंज स्तरीय साईकलीगर टीम के श्री जीतेन्द्र सिंह निरीक्षक पुलिस, श्री कन्हैयालाल, श्रीमती सरोज श्री देवाराम विश्नोई उप निरीक्षक पुलिस के नेतृत्व में हैड कानि श्री गजराजसिं एटीएस जयपुर श्री महेन्द्र, श्री महीपाल एवं श्री मनीष, श्री राकेश, अशोक परिहार, हरीराम, अशोक बांगडया, कानि साईकलोनर सेल तथा स्ट्रॉग टीम से से कानि झूमर राकेश, जीगाराम शेखर, रोहिताश, तथा आईआरएफ से कानि संजय रामकिशोर, पूनीराम, देवीलाल, भन्नाराम, प्रकाश राम, किशोर राम, उम्मेदराम दुगार्राम, चैनमीरसिंह नेताराम व पप्पाराम, मनोहर, भंवर अतिरदिनेश कमाण्डोजर मोतीसिंह, राजेन्द्र, अरुण कुमार ड्राईवर तथा श्रीमती श्रृंगारी हैट कानि, महिला कानि. सुमित्रा, पूजा व भगवती आदि तथा स्थानीय थानाभिकारी कापरता श्री सुरेन्द्र दुगस्तावा मम जाप्ता की अलग-अलग टीमों का गठन कर कार्रवाई को अंजाम दिया गया।
वांछित अपराधियों के बारे में सम्पूर्ण आसूचना संकलन का कार्य करने में साईक्लोनर सैल के श्री राकेश एवं श्री मनीष परमार कानि. की विशेष भूमिका रही।
शाबाशी :
श्री विकास कुमार, महानिरीक्षक पुलिस जोधपुर रेंज, जोधपुर ने बताया कि उक्त कार्रवाई में शामिल समस्त सदस्यों को विशेष कार्यक्रम के दौरान जोधपुर रेंज कार्यालय में सम्मानित किया जाएगा।
अपील :
महानिरीक्षक पुलिस श्री कुमार द्वारा बताया कि किसी भी आमजन को किसी भी अपराधी गा अन्य सूचना जो कि अपराधी से संबंधित है, उसे रेंज पुलिस नियंत्रण का (संजय) नम्बर 0291-2050811 एवं वाट्सएप नंबर 9530441820 पर सूचना दी जा सकती है। उक्त सूचना देने बाले व्यक्ति की गोपनीयता का पूर्ण रूप से ख्याल रखा जाएगा।

एनडीआरएफ टीम ने मेजा बांध में किया बाढ़ से बचाव का मॉक अभ्यास

बाढ़ जैसी परिस्थिति से निपटने के लिए टीम ने दिखाई ताकत

मॉक ड्रिल के दौरान बाढ़ में फंसे लोगों को बचाया, घायलों को पहुंचाई राहत

भीलवाड़ा, एनडीआरएफ की टीम ने मंगलवार को मेजा बांध में बाढ़ जैसे हालात में बचाव कार्यों और मॉक अभ्यास का प्रदर्शन किया। इस अभ्यास में कमांडेंट (सीसीडी) 6 वी वाहिनी एनडीआरएफ विजय कुमार के निदेर्शानुसार राजस्थान प्रभारी एनडीआरएफ योगेश कुमार मीना के पर्यवेक्षण व निरीक्षक/जीडी विजय सिंह मीना नेतृत्व मे एनडीआरएफ के एफडब्ल्यूआर टीम के साथ बाढ़ से बचाव संबंधित उपकरणों का प्रदर्शन किया। इस मॉक ड्रिल में अभ्यास की मुख्य बाते बाढ़ जैसे आपातकाल में फंसे लोगों को बचाने के तरीके, बाढ़ में घायल लोगों को स्टेबल करना तथा इसमें फंसे लोगों को राहत पहुंचाना और बचाव करना था। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों ने एनडीआरएफ की टीम द्वारा किए गए प्रदर्शन की प्रशंसा की। जिला कलक्टर नमित मेहता तथा एडीएम प्रशासन ओमप्रकाश मेहरा के निदेर्शानुसार एनडीआरएफ की टीम ने बाढ़ आधारित आपातकाल जैसे हालात होने पर किये जा सकने वाले बचाव और राहत कार्यों और भविष्य में इस प्रकार की आपदाओं की परिस्थिति में नागरिक और प्रशासन के साथ मिलकर किस प्रकार बाढ़ के संकटकालीन स्थिति से किस प्रकार निपटे इन तैयारियों की जानकारी दी गई। इस दौरान एनडीआरएफ ने बाढ़ से बचाव के लिए घरेलू तरीकों से बनाए गए उपचारों को भी बताया गया। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी माण्डल सीएल शर्मा, तहसीलदार माण्डल भंवरलाल सेन, जल संसाधन विभाग के एक्सईन सीएल कोली, मेजा सरपंच छोटू सिंह, फायर अधिकारी, चिकित्सा टीम, पीडब्ल्यूडी सहित एनडीआरएफ, सिविल डिफेंस और अन्य स्थानीय अधिकारी, एजेंसियों के अधिकारी शामिल थे।

चाइल्ड लाइन 1098 के सहयोग से हो रहा पलायित परिवारों में शिक्षा का प्रचार प्रसार

नमस्ते राजस्थान

हम सभी कह सकते हैं कि बालकों का मन बहुत कोमल होता है एवं उनके साथ अगर कुछ गलत होता है तो उसे वह भूल नहीं पाते इसलिए उनको सकारात्मक वातावरण की आवश्यकता है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम हर बच्चे का जन्म सिद्ध अधिकार है फिर भी आज अधिकांश बालकों के जीवन में शिक्षा का अभाव है, अंकल हमें भी विद्यालय जाना है क्योंकि हमें भी पढ़ने एवं लिखना आता है यह शब्द पलायित परिवारों के बालक बालिकाओं के है बालकों ने बताया जब हम हमारे घर पर थे तो विद्यालय जाते थे परंतु अब हमारी पढ़ाई छूट गई है। धर्मवीर सीखू, कृष्णपाल, खुशाल के द्वारा बताया , बालकों के पिता प्रेम एवं धनुष के द्वारा बताया की मुलत हम माली खेड़ी, मध्य प्रदेश के निवासी हैं हम विगत चार से पांच वर्षों से हम सभी छ परिवार जन बांसवाड़ा जिले में भंगार बिनकर आजीविका चला रहा है। क्योंकि हमारे घर पर किसी भी प्रकार की आजीवन का साधन नहीं है। परंतु इनके संपर्क में आने के बाद हमारे बालकों को विद्यालय से जोड़ा गया है एवं खाद्यान्न सुरक्षा योजना व्यवस्था से हमारा जुड़ा करवाया गया है। बाल अधिकारी का विभाग के द्वारा संचालित चाइल्ड लाइन 1098 के द्वारा 0 से 18 वर्ष तक की पीड़ित बालकों की सहायता के लिए 24 घंटे निशुल्क सेवा प्रदान की जाती है जिसमें पीड़ित बालकों को तत्काल सहयोग दिया जाता है। बाल संरक्षण के क्षेत्र में विगत 9 वर्षों से कार्यरत कमलेश बुनकर जिला समन्वयक चाइल्ड लाइन 1098 के द्वारा बताया गया कि प्रशासन के सहयोग से अब तक 47 बालकों को पुनः शिक्षा से जुड़ाव करवाया गया जिसमें हमारे सामने जो चुनौतियां थीं अन्य राज्यों के होने के कारण दस्तावेज तैयार करवाने में कुछ दिक्कतें आई परंतु सभी के सहयोग से समाधान हो पाया पलायित परिवारों में जो बालक बालिकाएं थी उनको शिक्षा से जुड़ाव करवाया खाद्यान्न सुरक्षा योजना से योग्य पात्र परिवारों को यहां से खाद्यान्न उपलब्ध करवाने में सहयोग प्रदान किया जिसमें चाइल्डलाइन 1098 की टीम हमेशा तत्पर रही टीम के सहयोग से अब बांसवाड़ा जिले में सड़क किनारे रहने वाले कॉलेज मैदान, लिओ कॉलेज, टामटिया रोड ओजरिया बस्ती इत्यादि में रहने वाले पलायित परिवारों के बालकों को सप्ताह में दो दिन टीम पढ़ाने के लिए जाएगी जिसमें पूजा चोबिसा, पियुष जैन,कलावती, राहुल ,हरीश ,कामिनी, लोकेश इत्यादि का बालकों के प्रति सेवा में हमेशा तत्पर रहते हैं। बांसवाड़ा जिले में बाल श्रम एक गंभीर समस्या है। गरीब परिवारों के बच्चे शिक्षा से वंचित होकर काम में लग जाते हैं। कमलेश बुनकर ने बाल श्रमिकों को न्याय दिलाने और पुनर्वास के लिए कई कदम उठाए। उन्होंने बिना किसी भय के बाल श्रमिकों के लिए स्वयं मुकदमे दर्ज कराए और प्रशासन के सहयोग से उनका पुनर्वास कराया। इसके अलावा, इन बच्चों को नियमित रूप से शिक्षा से जोड़ने का प्रयास किया गया और उनकी शिक्षा की स्थिति का फॉलो-अप भी किया गया।

बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास

बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने का भी कार्य किया। उन्होंने अपने प्रयासों के माध्यम से यह सुनिश्चित किया कि बच्चों को शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यकताओं की जानकारी मिल सके। उनका मानना है कि जब प्रत्येक बालक और बालिका अपने अधिकारों से परिचित होंगे तो वे अपने जीवन में आत्मनिर्भर बन पाएंगे।

बालकों के सर्वांगीण विकास में सहयोग

केवल बालकों की शिक्षा और उनके अधिकारों के प्रति कार्य किया, बल्कि उनके सर्वांगीण विकास में भी अपना योगदान दिया। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि बच्चों को उचित पोषण, स्वास्थ्य सेवाएं, और मानसिक समर्थन मिल सके। इस उद्देश्य से उन्होंने विभिन्न शिविरों का आयोजन किया जिसमें बच्चों को मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त बनाने के लिए कई गतिविधियां करवाई गईं।

एनडीआरएफ टीम ने मेजा बांध में किया बाढ़ से बचाव का मॉक अभ्यास

मॉक ड्रिल के दौरान बाढ़ में फंसे लोगों को बचाया,घायलों को पहुंचाई राहत

मॉक ड्रिल के दौरान बाढ़ में फंसे लोगों को बचाया, घायलों को पहुंचाई राहत

बाढ़ जैसी परिस्थिति से निपटने के लिए टीम ने दिखाई ताकत

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा, एनडीआरएफ की टीम ने मंगलवार को मेजा बांध में बाढ़ जैसे हालात में बचाव कार्यों और मॉक अभ्यास का प्रदर्शन किया। इस अभ्यास में कमांडेंट (सीसीडी) 6 वी वाहिनी एनडीआरएफ विकास कुमार के निदेर्शानुसार राजस्थान प्रभारी एनडीआरएफ योगेश कुमार मीना के पर्यवेक्षण व निरीक्षक/जीडी विजय सिंह मीना नेतृत्व मे एनडीआरएफ के एफडब्ल्यूआर टीम के साथ बाढ़ से बचाव संबंधित उपकरणों का प्रदर्शन किया। इस मॉक ड्रिल में अभ्यास की मुख्य बाते बाढ़ जैसे आपातकाल में फंसे लोगों को बचाने के तरीके, बाढ़ में घायल लोगों को स्टेबल करना तथा इसमें फंसे लोगों को राहत पहुंचाना और बचाव करना था। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों ने एनडीआरएफ की टीम द्वारा किए गए प्रदर्शन की प्रशंसा की। जिला कलक्टर नमित मेहता तथा एडीएम प्रशासन ओमप्रकाश मेहरा के निदेर्शानुसार एनडीआरएफ की टीम ने बाढ़ आधारित आपातकाल जैसे हालात होने पर किये जा सकने वाले बचाव और राहत कार्यों और भविष्य में इस प्रकार की आपदाओं की परिस्थिति में नागरिक और प्रशासन के साथ मिलकर किस प्रकार बाढ़ के संकटकालीन स्थिति से किस प्रकार निपटे इन तैयारियों की जानकारी दी गई। इस दौरान एनडीआरएफ ने बाढ़ से बचाव के लिए घरेलू तरीकों से बनाए गए उपचारों को भी बताया गया। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी माण्डल सीएल शर्मा, तहसीलदार माण्डल भंवरलाल सेन, जल संसाधन विभाग के एक्सईन सीएल कोली, मेजा सरपंच छोटू सिंह, फायर अधिकारी, चिकित्सा टीम, पीडब्ल्यूडी सहित एनडीआरएफ, सिविल डिफेंस और अन्य स्थानीय अधिकारी, एजेंसियों के अधिकारी शामिल थे। गौरतलब है कि गृह मंत्रालय, भारत सरकार एवं आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग राजस्थान सरकार के निदेर्शों के क्रम में राष्ट्रीय आपदा प्रतिसाद दल (एनडीआरएफ -06 बटालियन, बडोदरा, गुजरात) द्वारा 18 नवम्बर 2024 से 02 दिसम्बर 2024 तक जिले में बाढ विषय पर मौक ड्रिल, जिला परिचय एवं आम जन में आपदाओं के प्रति जन-जागरूकता फैलाने में लिए विभिन्न गतिविधियां और कार्यक्रम आयोजित की जा रही है। 2 दिसंबर तक चलने वाले इस अभियान के अन्तर्गत बुधवार 20 नवंबर को नगर निगम में आपदाओं के विषय में जनजागरूकता लाई जाएगी। 21 नवंबर को भीलवाड़ा जिला दुग्ध उत्पादक संघ लि. (भीलवाड़ा डेयरी), 22 नवंबर को रीको कार्यालय में औद्योगिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों में जागरूकता लाई जाएगी।

उपखंड क्षेत्र के रोहट चोराई क्षेत्र के उप तहसील मुख्यालय जैतपुर में देश की पहली महिला प्रधानमंत्री,

नमस्ते राजस्थान

उपखंड क्षेत्र के रोहट चोराई क्षेत्र के उप तहसील मुख्यालय जैतपुर में देश की पहली महिला प्रधानमंत्री, देश को परमाणु सम्पन्न राष्ट्र बनाने वाली आयरन लेडी स्व.श्रीमति इंदिरा गांधी जी की 107 वीं जयंती रोहट ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरधारीसिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में आयोजित पुष्पांजलि सभा में इंदिरा जी की तश्वीर पर कांग्रेसजनों के साथ पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किये इस मौके पर पंचायत समिति सदस्य लक्ष्मणराम भूरिया, एस सी मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष वजाराम गरवलिया, बाबूनाथ गढ़वाड़ा, ब्लॉक सचिव किशनदान गढ़वाड़ा, जयकिशन ढाका, कानाराम मेघवाल, नगाराम सोलंकी ,भीमाराम देवासी, प्रकाश सरगरा, सहित कांग्रेसजन व कार्यकर्ता मौजूद थे।

सांसद अग्रवाल के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं ने देखी साबरमती रिपोर्ट फिल्म

नमस्ते राजस्थान

भीलवाड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल गोधरा कांड की सच्चाई को उजागर करने के उद्देश्य से बनी फिल्म साबरमती रिपोर्ट को आज भीलवाड़ा सासंद दामोदर अग्रवाल के नेतृत्व में सभी भाजपा कार्यकताओं ने सामुहिक रूप से देखी। साँसद प्रवक्ता विनोद झुरानी ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने भी फि ल्म ₹साबरमति रिपोर्ट₹ को समर्थन दिया है व कहा, इस फि ल्म के माध्यम से गोधरा कांड की सच्चाई सामने आ रही है। 2002 में फर्जी खबरें चलाकर व झूठ बोलकर प्रोपेगेंडा चलाया गया, लेकिन अब

इस फि ल्म के माध्यम से सच्चाई सामने आ रही है। आम आदमी को ये फि ल्म जरूर देखनी चाहिए ताकि गोधरा कांड की सच्चाई उन्हें पता चले। भाजपा कार्यकताओं ने थियेटर में भारत माता की जय के नारे लगाए। फिल्म देखने पूर्व नगर विकास न्यास अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण डाड, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष लादूलाल तेली, उप जिला प्रमुख शंकर गुर्जर, कोटड़ी प्रधान करण सिंह बेलवा, हमीरगढ़ पालिकाध्यक्ष रेखा परिहार, राकेश ओझा, प्रेम गर्ग , कन्हैया लाल स्वर्णकार, नंदलाल माली, बाबूलाल टांक, कल्पेश चौधरी, गोवर्धन सिंह कटार, लंकेश पाराशर, नंदलाल माली, मनीष सबदानी, रोशन मेघवंशी, विमल जैन, हेमेंद्र सिंह, ओम पराशर, गौतम शर्मा, कैलाश सुवालका, दिनेश सुथार, मधु शर्मा, सुनीता कटारिया, प्रीति झुरानी आदि उपस्थित थे।

काम्पलैक्स का विवादों से नाता है पहले एक महाराज ने दादागिरी की थी फिर पालिका प्रशासन ने सीज किया है

अब ईसका कोरनॅर की बिल्डिंग होने से कोरनॅर नही काटा है बडा विवाद होगा

शहर मे बडा आदोलन होंगा की ओपन लैण्ड भूमि पर सिर्फ पार्किंग होनी चाहिए सभी दुकानों को हटाने तक आदोलन होगा

बिल्डर ने अंडर ग्राउंड पार्किंग की जगह दुकाने बेची हुई है अब सबको उपर ग्राउंड फ्लोर मे दुकाने देनी पड़ेगी

अब खुद के विरुद्ध कार्यवाही होनी चाहिए तब मालिक के विरुद्ध कारवाई की माँग करेंगी जनता तब क्या होंगा

बिल्डर्स से धोखाधड़ी पूर्वक ऐंठे करोड़ों रूपए, नहीं करवाई रजिस्ट्री,थाने में दी रिपोर्ट

नमस्ते राजस्थान

शिवगंज। शहर के महाराजा मैदान के सामने निमार्णाधीन व्यवसायिक काम्पलैक्स का विवादों से नाता है जो आए दिन हो रहा है पहले पार्किंग अब उपरी दुकाने फिर अंडर ग्राउंड मे पार्किंग होनी चाहिए फिर कोन कारवाई करेंगा वह अब भवन के मालिक के साथ कथित रूप से करोड़ों रूपए ऐंठने के बाद भी भूमि की रजिस्ट्री नहीं करवाने और रजिस्ट्री करवाने के एवज में पांच करोड़ रूपए और मांगने का मामला प्रकाश में आया है। इस मामले को लेकर अपना सब कुछ गवां बैठे बिल्डर्स ने उसके साथ हुई धोखाधडी की रिपोर्ट पुलिस थाने में देकर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है पुलिस को दी रिपोर्ट में सर्व शिव डवलपर्स एंड ट्रेडिंग कंपनी के मालिक हीरालाल माली ने बताया कि उसकी फर्म आवासीय-व्यवसायिक भूमि का विकास एवं निर्माण का कार्य करती है। रिपोर्ट में बताया कि उसने सुभाष नगर में स्थित एक 4683.25 वर्ग फीट भूमि जिसमें 2901.75 वर्गफीट भूमि ओम इन्फ्रास्ट्रक्चर के साझेदार ओमप्रकाश खंडेलवान, जयेन्द्र कुमार सोनी, नरेश टेकवानी तथा महिपालसिंह चौहान सभी निवासी सिरोही की थी, शेष भूमि का मालिकाना हक राहुल गांधी एवं राजकुमार लाखोटिया निवासी सुमेरपुर के नाम से थी। रिपोर्ट में बताया कि वर्ष 2020 में इन लोगों ने उनके कार्यालय आकर संपर्क कर अच्छा मुनाफा कमाने प्रस्ताव और अन्य लुभावने प्रलोभन दिए कि आप इस भूमि की हमसे खरीद कर पूरी भूमि पर वाणिज्यिक कॉम्पलेक्स का निर्माण कर सकते है। इससे आपको अच्छा मुनाफा होगा। चार करोड़ सोलह लाख में तय हुआ सौदा रिपोर्टकर्ता ने बताया कि इन लोगों की लुभावनी बातों में आकर उसने दो अलग अलग भूमि में से एक का सौदा 1 करोड 60 लाख में तथा दूसरी का सौदा 2 करोड़ 56 लाख में तय करते हुए इकरारनामा इस शर्त के साथ तैयार किया कि तय की गई संपूर्ण राशि का भुगतान दो वर्ष में होने के बाद भूमि की रजिस्ट्री करवा दी जाएगी। सौदा तय हो जाने के बाद प्रार्थी ने दोनों को अलग अलग 3 लाख 40 हजार तथा 51 हजार रूपए साई पेटे देकर भूमि का कब्जा प्राप्त कर लिया। इसके अगले दिन ही दोनों पक्षों के साथ मुख्तियारनामा तैयार करवाया गया ताकि प्रार्थी व्यवसायिक भवन का निर्माण करवाने के लिए सरकारी कार्यालयों से अनुमति, लाइट बिजली का कनेक्शन लेने और निर्माण का कार्य कर सके सौदे के अनुसार राशि देने के बाद भी कर दी धोखाधडी रिपोर्ट में प्रार्थी हीरालाल ने आरोप लगाया कि अप्रार्थियों से जिस इकरारनामे के आधार पर सौदा किया गया था। उसके तहत समय समय पर व्यवसायिक भवन की दुकानें बेचने के अलावा अन्य अलग अलग तरीके से नियत समय तक तय राशि का भुगतान कर लिया गया। रिपोर्ट में बताया गया है कि आरोपियों ने गहरी साजिश रचते हुए जिस भूमि का सौदा उसके साथ हुआ था उसमें धोखाधडी करते हुए ओम इन्फ्रास्ट्रक्चर के साझेदार ओमप्रकाश खंडेलवाल व यमुना कुमारी के पक्ष में कर दिया। रिपोर्ट में बताया कि उसने आरोपी ओमप्रकाश वगैराह को उनकी जमीन के पेटे अब तक 3 करोड 79 लाख रूपए का भुगतान कर दिया है,जो तयशुदा प्रतिफल से 1 करोड 23 लाख रूपए ज्यादा है। बावजूद उसके पक्ष में रजिस्ट्री नहीं करवाई जा रही है सोचे समझे षडयंत्र में फंसाने का आरोप रिपोर्टकर्ता ने बताया कि आरोपियों ने इतनी बडी धनराशि ऐठने के बाद भी उसके पक्ष में रजिस्ट्री नहीं करवाई जिससे उसे आर्थिक एवं मानसिक परेशानी झेलनी पडी। इतना ही नहीं उसका बैंक में एक ऋण खाता भी एनपीए हो गया। जिससे रियल स्टेट मार्केट में उसकी छवि धूमिल हो गई। इतना ही नहीं वाणिज्यिक परिसर में इतना बडा निवेश करने के बाद भी उसे इसका लाभ नहीं मिल पाया। रिपोर्टकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने साजिश कर उससे पैसा ऐठने का सोचा समझा षडयंत्र रचा और उसमें उसे ऐसा फंसाया कि वह इससे कभी बाहर ही नहीं आ सका। रिपोर्टकर्ता ने बताया कि इन आरोपियों ने उसके जैसे ही ओर भी कई लोगों को बहला फुसलाकर निवेश के नाम पर पैसे दबा रखे है और उन्हें भी डराया धमकाया जा रहा है। रिपोर्टकर्ता ने पुलिस को बताया कि अब आरोपियों की ओर से उसे जान से मारने की धमकी दी जा रही है। इस मामले को लेकर प्रार्थी ने आरोपियों को तीन लीगल नोटिस भी भेजे है, जिसका जवाब भी उन्होंने आज तक नहीं दिया है। रिपोर्ट में आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

क्या अब ईस सर्व शिव काम्पलैक्स की पार्किंग की जगह दुकाने हटाई जाएँगी

ईस काम्पलैक्स मे अंडर ग्राउंड पार्किंग की जगह पर बनाई दुकानो को हटाया जाएंगा या उच्च न्यायालय का सहारा लेकर पार्किंग की जगह पर पार्किंग होनी चाहिए तब जाकर शिवगंज शहर की जनता को न्याय मिलेगा अन्यथा पालिका प्रशासन ने फजीर्वाडा करने के लिए सीज की कारवाई की है सिर्फ धन लेकर खोल देंगे सीज तो पार्किंग की जगह पर बनाई दुकानो के मालिक व कर्मचारियों की गाडियाँ कहाँ जाएँगी वह सडकों पर पडी रहेगी जिससे दुर्घटना होने की पुरी सम्भावना है जिम्मेदारी कोन लेगा क्या उपखंड अधिकारी पालिका प्रशासन या पुलिस प्रशासन कारवाई करेंगी देखते है या सभी धन के बल पर अंडर ग्राउंड मे पार्किंग रहेंगी देखते है आगे क्या होता है ।

पुलिस की गाड़ी में बैठ बनाई रील, सोशल मीडिया पर की अपलोड; हाईवे पेट्रोलिंग टीम की थी जीप;एसपी ने पूरी टीम को हटाया

नमस्ते राजस्थान

बाड़मेर बाड़मेर पुलिस की जीप में बैठकर एक व्यक्ति ने रील बनाई और उसे सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। इधर, जैसे ही ये वीडियो एसपी तक पहुंचा, उन्होंने हाईवे पेट्रोलिंग की पूरी टीम को लाइन हाजिर कर दिया। मामला मंगलवार का है, हालांकि ये वीडियो कब बनाया गया और कब अपलोड किया गया था, इसकी जानकारी नहीं मिल रही है। ये भी दावा किया जा रहा है कि रील बनाने वाले व्यक्ति बजरी माफियाओं से जुड़ा है। पुलिस ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है। मामले की जांच गुडामालानी डिप्टी सुखराम विश्नोई को सौंपी गई है।

पुलिस की हाईवे पेट्रोलिंग जीप में उतरते हुए बनाई रील

दरअसल, जिस पुलिस गाड़ी में रील बनाई है वह हाईवे पेट्रोलिंग टीम की है। वीडियो नेशनल हाईवे 68 बाड़मेर-सांचौर रोड का बताया जा रहा है। इस वीडियो में एक व्यक्ति पुलिस जीप से एक्शन में नीचे उतरता हुआ दिखाई दे रहा है। एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने बताया- वीडियो कब बना है और कब अपलोड हुआ है इसकी जांच की जा रही है। मंगलवार सुबह ये वीडियो हमारे पास पहुंचा था। इसके बाद मामले की जांच शुरू की है। प्रारंभिक तौर पर पेट्रोलिंग टीम के एक ड्राइवर, हेड कॉन्स्टेबल और कॉन्स्टेबल को लाइन हाजिर किया गया है। उन्होंने बताया- अभी तक जांच में सामने आा है कि गाड़ी खराब हो गई थी और इसे ठीक करवाने रुके थे। इसी दौरान ये वीडियो बना लिया।

ऑफिशियल केडी कड़वासरा 46 आईडी पर की थी अपलोड

जानकारी के अनुसार रील इंस्टाग्राम पर ऑफिशियल केडी कड़वासर 46 आईडी पर अपलोड की गई थी। 14 सेकेंड का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से शेयर हो रहा है। हालांकि मामला सामने आने के बाद सोशल मीडिया अकाउंट से इस रील को डिलीट कर दिया गया है।

जयपुर में क्रेटा से आए बदमाश स्कॉर्पियो चुरा ले गए: एक चोर घर के बाहर से ले गए गाड़ी, 48 मिनट में वारदात को अंजाम दिया

नमस्ते राजस्थान

जयपुर जयपुर के श्याम नगर थाना इलाके में देर रात 48 मिनट में एक बदमाश स्कॉर्पियो कार चोर कर फरार हो गया। कार चोरी की जानकारी मिलने पर कार मालिक अशोक शेखावत ने श्याम नगर थाना पुलिस को जानकारी दी। इस पर पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस इलाके में लगे हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। एक जगह पर पुलिस को वारदात करने वाले आरोपी का वीडियो मिला, लेकिन चेहरा छुपा हुआ था। पीड़ित अशोक शेखावत ने बताया- वह अपने परिवार के साथ निर्माण नगर स्थित घर में थे। उनकी स्कॉर्पियो कार घर के सामने खड़ी थी। रात करीब 3.10 बजे चोर घर के बाहर खड़ी कार चोरी कर फरार हो गया। सुबह सवा 7 बजे जब परिवार उठा तो देखा की कार घर के बाहर खड़ी नहीं है। इस पर घर के सीसीटीवी फुटेज देखे गए जिस से पता चला की रात करीब 2.32 बजे क्रेटा कार से चार से पांच बदमाश आए थे। कार से एक बदमाश बाहर निकला। उस के मुंह पर कपड़ा बंधा हुआ था। आरोपी ने कार का सेंट्रल लॉक तोड़ा और कार को करीब 3.18 बजे फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस श्याम नगर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। इलाके में लगे हुए सीसीटीवी फुटेज खंगालने लगी।

प्रियंका गांधी 3 दिन करेंगी टाइगर सफारी: पति, बेटा-बेटी व सास भी है साथ,परिवार के साथ छुट्टियां मनाने पहुंचीं रणथंभौर

नमस्ते राजस्थान

सवाई माधोपुर कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा एक बार फिर रणथंभौर में छुट्टियां मनाने पहुंचीं हैं। मंगलवार दोपहर को प्रियंका गांधी वाड्रा पूरे लवाजमे के साथ रणथंभौर पहुंचीं। वह यहां एक पांच सितारा होटल में रूकी हैं। इस दौरान यहां पर सुरक्षा के माकूल इंतजाम देखने को मिले है। वायनाड़ चुनाव के बाद मंगलवार को दोपहर करीब 12:30 बजे कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी वाड्रा अपनी सास मोरिन वाड्रा, पति रॉबर्ट वाड्रा, बेटा रेहान वाड्रा, बेटी निराया वाड्रा के साथ रणथम्भौर पहुंचीं। सभी लोग यहां तारा होटल शेरबाग में ठहरे हुए हैं। इस दौरान इनका यहां पर रणथंभौर में टाइगर सफारी करने का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

रणथंभौर में सेलिब्रेट कर चुकी हैं प्रियंका

जानकारी के अनुसार प्रियंका गांधी वाड्रा 5 दिन के राजस्थान दौरे पर आई हुई हैं। जिसमें से 3 दिन वह सवाई माधोपुर में रूकेगी। इस दौरान वह रणथम्भौर में सुबह और शाम की पारी में टाइगर रिजर्व में सफारी का आनंद लेंगी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी प्रियंका गांधी वाड्रा रणथंभौर में अक्सर आती रही हैं। वह अपना बर्थडे भी रणथंभौर में सेलिब्रेट कर चुकी हैं। वह राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी अपने भाई राहुल गांधी और मां सोनिया गांधी के साथ होटल शेरबाग में ही रूकी थीं।

600 करोड़ रुपए का टूरिज्म अकेले टाइगर से

रणथंभौर टाइगर रिजर्व: यह देश के सबसे लोकप्रिय टाइगर रिजर्व में से एक है, जो न केवल टाइगर बल्कि अन्य वन्यजीवों के लिए भी एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है। साल 2024 में यहां से लगभग 600 करोड़ रुपए का राजस्व होने की उम्मीद है।

जवाई बेरा कंजर्वेशन रिजर्व: यहां 50 से अधिक लेपर्ड हैं। यह क्षेत्र अपनी अनोखी लेपर्ड सफारी के लिए प्रसिद्ध है। इसका अनुमानित राजस्व करीब 150 करोड़ रुपए है।

एक अक्टूबर से शुरू हुआ टूरिज्म सीजन

रणथम्भौर में एक अक्टूबर से टूरिस्ट सीजन शुरू हुआ है। रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में कुल 10 जोन हैं। इनमें 2 पारियों में टाइगर सफारी होती है। सुबह? की पारी में सफारी सुबह 6 से 9 बजे तक होती है। शाम की शिफ्ट में सफारी दोपहर तीन बजे से शाम 6 बजे तक होती है। रणथंभौर में फिलहाल 75 बाघ, बाघिन और शावक हैं।

प्रियंका गांधी ने किताब में किया जिक्र

पिछले 12 साल से प्रियंका गांधी अपने दोनों बच्चों के साथ हर साल रणथंभौर पार्क में आ रही हैं। वे अब तक हजारों फोटो यहां के टाइगर की खींच चुकी हैं और उन्होंने एक किताब में भी रणथंभौर के बाघों का जिक्र किया है। प्रियंका इस साल भी अप्रैल में यहां आई थीं। प्रियंका के बेटे रेहान वाड्रा ने तो रणथंभौर से खींचे फोटोज की एक प्रदर्शनी भी लगाई थी और प्रियंका गांधी ने एक किताब ळीँ ३ी१'२ ़ीी' लिखी है। हिंदी में इसे बाघ की राजधानी कहते हैं।

राजीव गांधी के नाम पर होता रणथंभौर पार्क

रणथंभौर पार्क पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को भी बेहद पसंद था। वे सोनिया गांधी से शादी के तुरंत बाद रणथंभौर आए थे। इसके अलावा भी वे यहां कई बार आए। उन्होंने प्रधानमंत्री रहते हुए रणथंभौर के लिए कई काम कराए। साल 1998 से 2003 के बीच अशोक गहलोत पहली बार राजस्थान के उट बने तो उन्होंने रणथंभौर नेशनल पार्क का नाम राजीव गांधी के नाम पर करने की मंशा जाहिर की, लेकिन विपक्षी पार्टी भाजपा की ओर से विरोध जताए जाने पर विवाद से बचने के लिए गहलोत ने अपना इरादा टाल दिया था।

रणथंभौर में 75 टाइगर

रणथंभौर नेशनल पार्क 1700 वर्ग किलोमीटर में फैला है। यहां 75 बाघ, बाघिन और शावक हैं। एक बाघ को लगभग 35 किलोमीटर टेरेटरी की आवश्यकता होती है। ऐसे में यहां 50 बाघ रह सकते हैं। यानी रणथंभौर में 25 बाघ-बाघिन क्षमता से अधिक हैं।

राजस्थान में 100 से ज्यादा टाइगर

राजस्थान में वर्तमान में टाइगर की संख्या 100 से ज्यादा है। देश भर में इनकी संख्या करीब 3200 है। राजस्थान की कहानी इसलिए भी दिलचस्प है क्योंकि राजधानी जयपुर सहित 1970-72 तक राज्य के लगभग 17 जिलों में टाइगर की मौजूदगी थी। यह मौजूदगी धीरे-धीरे घटती हुई 2005 में केवल एक ही जिले सवाई माधोपुर (रणथंभौर) तक सीमित रह गई। शेष सभी जिलों से टाइगर का सफाया हो गया। 2010 के बाद शुरू किए गए प्रयासों से आज फिर से यह स्थिति बनी है कि अब राजस्थान के 5 जिलों में कहीं न कहीं टाइगर मौजूद है। इन जिलों में अलवर, करौली, कोटा, बूंदी और उदयपुर शामिल हैं। इन सभी टाइगर का पैतृक घर रणथंभौर ही है। देश भर में लगभग 53 टाइगर पार्क हैं।

कोलोनी काटी रिको ने विकास किया पालिका ने

कोलोनी का साईड बैक व ओपन लैण्ड भूमि को बेचा गया है इसकी कारवाई क्यू नही हुई

सधवी उधोग के मालिक के विरुद्ध कानुनी कारवाई करे नक्शे स्वीकृत मे सडक की भूमि को बेचा गया बगीचा बनाने की माँग

पालिका प्रशासन ने ईस कोलोनी मे विकास नियमों के विरुद्ध किया अधिकारी से वसूला जाएँ

नमस्ते राजस्थान

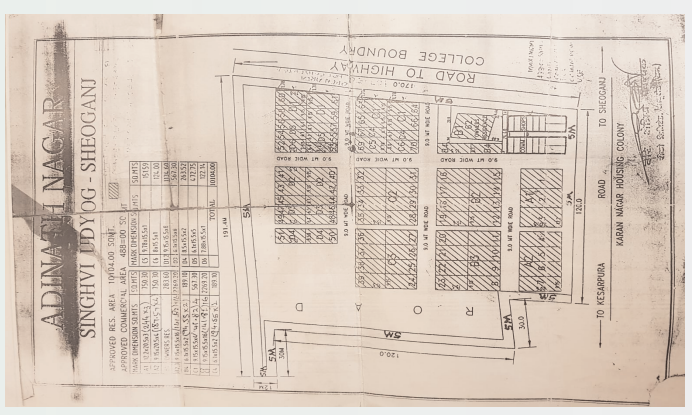

शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र में ऐसे तो आसपास में नगर पालिका का आवासीय क्षेत्र है उसी के बीच में एक टुकड़ा रीको का आया हुआ उसमें रिको आबूरोड द्वारा कालोनी काटी गई थी उस कॉलोनी में एक पार्टी द्वारा आम जनता को प्लाट बेचकर जनता के साथ बड़ा धोखा किया आदिनाथ नगर नाम से संघवी उद्योग के नाम से एक सेठ लोग ने लोगों को प्लाट बेचकर करोड़ों रुपए कमा कर चला गया लोगों को सुविधा के लिए जो जमीन दी थी वह भी इस पार्टी ने बेच दी इसी के पास सड़क की भूमि को भी इस सेठ में बेंच दी जो अब कुछ लोग इसमें प्लाट काट कर लोगों को गुमराह कर बेच रहे हैं रिको विभाग द्वारा इससे सेटिंग करके या धन लेकर इसकी रजिस्ट्री करवा दी क्योंकि इसकी रजिस्ट्री हो नहीं सकती थी इस प्लान के अंदर यह रोड की भूमि है वह ईस कॉलोनी की साइड बैक की भूमि पर भी लोगों ने कब्जा कर दिया इस कॉलोनी में जितनी भी भूमि छोड़ी गई उन सब में शिवगंज के सेठ लोगों ने कब्जा कर दिया और अंदर निवास करने वाले लोगों के लिए नहीं तो बगीचे के लिए छोड़ा और नहीं सड़क की भूमि शिवगंज के एक धन्ना सेठ ने इस पर जो कॉलोनी में साइड बैक 5 मीटर छोड़ा गया था जो करीब 15 फिट से अधिक बनता है वह उससे अधिक उस पर भी उन्होंने कब्जा करके मकान बना दिया सरकारी जमीन पर बड़ा बगीचा बनाकर लोगों को किराए पर दे रहे हैं और किराया खा रहे इस कॉलोनी के अंदर जितनी सड़क होनी चाहिए उतनी सड़क भी नहीं है और जो लास्ट में सड़क छोड़ी गई थी जो प्लान के अंदर भी आज रोड लिखा हुआ है उसको भी यह सेठ बेच कर खा गया जो इस कॉलोनी में खरीदने वाले लोगों के साथ धोखा किया इस सेठ के विरुद्ध मुकदमा दर्ज होना चाहिए क्योंकि इसने कॉलोनी काटने के बाद जो सुविधा होनी चाहिए वह रिकॉर्ड मे होनी चाहिए क्योंकि पैसा वाला सेठ ने लिया था पर इस कॉलोनी का विकास पालिका प्रशासन शिवगंज ने किया जो सरकारी आदेशों की धजिया उड़ा कर इन्होंने इस कॉलोनी के अंदर रोड लाइट पानी लाइन वह सड़क बनाई जो पालिका को करोड़ों रुपए का नुकसान किया यह पैसा इस कॉलोनी के मालिक से वसूल करना चाहिए क्योंकि यह सेठ लोग सरकारी प्रशासन को थोड़ा कुछ पैसा देकर सरकारी जमीन को खा जाते हैं क्योंकि यह जमीन खरीदने वाले शिवगंज के बड़े नेता शामिल है और रोड की जमीन पर पट्टा कैसे बन जाए यह उनके विरुद्ध कार्यवाही की मांग करती है शिवगंज की जनता व जनता के साथ धोखा कर यह लोग सुविधा की जमीन बेचकर खा रहे हैं इसका करोडों रुपए कमाए यह सब फजीर्वाडा करके इस कॉलोनी में जो सुविधा होनी चाहिए वह नहीं है इस जमीन पर बड़ा बगीचा बनना चाहिए वह बच्चों के लिए गार्डन जरूरी है अंदर झूले वगैरा लगने चाहिए जिससे बच्चे खेल सके और बुजुर्ग लोग शाम सुबह बगीचे में आकर बैठ सके वह इस कॉलोनी मलिक को क्या पड़ी करोड़ों रुपए मिल रहे हैं जो जमीन पड़ी है उसको बेचकर खा रहे हैं उद्योग विभाग वाले इनके साथ मिले हुए हैं इसलिए उल्टे सीधे काम कर रहे हैं नहीं तो कब का रुक जाता और जो सुविधा के लिए छोड़ी के जमीन उस पर सुविधा के लिए सड़क वह बगीचा बनाना आवश्यक होता है क्योंकि रीको प्रशासन नहीं चाहता कि इस कॉलोनी में लोगों को सुविधा मिले क्योंकि यह जमीन शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र के अधीन है और नगर पालिका प्रशासन को भी इस मलिक के विरुद्ध कार्रवाई करवा कर जो भी जमीन है वह पालिका को देनी चाहिए या लेनी चाहिए वह इसके चारों तरफ जमीन पड़ी साइड बैक जो 5 मीटर से अधिक है जमीन खाली होनी चाहिए उस पर भी लोगों ने कब्जा कर दिया तुरंत यह 5 मिटर जमीन खाली करवानी चाहिए तब जाकर इस कॉलोनी के सड़क चौड़े हो जाएंगे वह लोगों के लिए सुविधा हो जाएगी और जिस सेठ ने सरकारी जमीन को बेची है उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए तब जाकर इस कॉलोनी में रहने वाले लोगों को न्याय मिलेगा और बगीचा बनने से बच्चे को बुजुर्गों को वह महिलाओं के लिए बैठने की सुविधा हो जाएगी तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए इनका क्या कहना है शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र के कोलेज के पास रिको विभाग ने एक वर्धमान कोलोनी निजी सेठ लोगो ने अपने फायदा लेने के लिए रिको और पालिका प्रशासन को गुमराह कर कोलोनी काटी गई कोलोनी की साईड बैक भूमि ओपन लैण्ड भूमि व रास्ते की भूमि भी ईस सेठ ने लोगो को बेच दी कोलोनी स्वीकृत भी औधोगिक रिको विभाग वालो ने की थी पर अब अंदर निवासियों के साथ धोखाधड़ी की है क्यू की लोगो के जीवन में सब सुविधा चाहिए पर रिको औधोगिक विभाग व सेठ ने मिलकर लोगो के साथ धोखाधड़ी की है पालिका प्रशासन ने रोड लाईट व सी सी सडक का निर्माण भी करोडों रुपए खर्च करके बनाएँ यह पैसा औधोगिक रिको विभाग वालो से या सेठ लोग से वसूला जाएँ अन्यथा पालिका प्रशासन अध्यक्ष व अधिशाषी अधिकारी कनिष्ट अभियन्ता से वसूला जाएँ जो लोगो के सुविधाओं के लिए छोडी जमीन को खुल्ला किया जाएँ तब आम लोगो के साथ धोखाधड़ी नही होगी साईड बैक भुमी 15 मिटर छोडी है जो लाखों फिट है ओपन लैण्ड पर सेठ ने कब्जा कर लिया है जो अतिक्रमण हटाया जाएँ

सीमा देवी माली पार्षद नगर पालिका शिवगंज

शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र के कॉलेज रोड पर बची आदिनाथ नगर जो संघवी उद्योग के नाम से काटी गई थी कॉलोनी में पोल फैक्ट्री के नाम से थी उसमें इस संघवी उद्योग वाले ने कॉलोनी काटकर यहां के पर निवास करने वाले लोगों के साथ धोखा किया नहीं तो इस कॉलोनी में कोई सुविधा क्षेत्र नही छोडा गया नहीं इसको वह रिको व उद्योग विभाग वालो ने सड़क बनाई नहीं लाइट लगवाई और नहीं पानी की व्यवस्था की यह तो पालिका प्रशासन ने सभी व्यवस्था की जो पालिका प्रशासन का धन खर्च हुआ वह इस संघवी उद्योग वाले से यह धन वसूल करना चाहिए वह सडक की जमीन खाली करवा कर इसने जो भी सड़क की भूमि बेची है उसके विरुद्ध कार्रवाई करनी चाहिए सड़क की जमीन को वापस कॉलोनी वालों के लिए सुविधा क्षेत्र करना चाहिए तब जाकर कॉलोनी निवासियों को न्याय मिलेगा नहीं तो कॉलोनी निवासी ठगा महसूस करेंगे खुद को तुरंत कार्यवाही करनी चाहिए व सधवी उधोग के मालिक से पैसा वसूल किया जाए जैसाराम माली अध्यक्ष जवाई पर्यावरण एवं वन विकास समिति शिवगंज ईस रिको की कोलोनी की सडक की जमीन बेचने वालो के विरुद्ध कारवाई की करनी चाहिए व शिवगंज नगर पालिका प्रशासन को जो खाली पडी जमीन अपने कब्जे में लेकर सधवी उधोग के मालिक के विरुद्ध कानुनी कारवाई करनी चाहिए तब जाकर कोलोनी मे निवास करने वाले लोगो को न्याय मिलेगा व भूमाफियाओ व भष्ट्राचारीओ के विरुद्ध कारवाई करनी चाहिए कमलसिह चौहान समाजसेवी गौरक्षक शिवगंज

कामबेश्वरजी व कोलर जिस पंचायत मे आते है वहाँ पर हजारों बिधा गोचर भूमि है

गोचर भूमि पर अतिक्रमण कर रिसोर्ट व आलिशान होटले बनाकर जानवरों के निवास करने की जमीन पर कब्जा कर लिया

जहाँ सबसे ज्यादा भालुओं व तेंदुओं के निवास क्षेत्र है वहाँ पर जिपसीओ की आवाज से परेशान किया जाता है

ईन पहाडियों में व आसपास गांवो से हजारो बिधा जमीन जो गोचर फौरेसट विभाग की जमीन पर अतिक्रमण को हटाना चाहिए

नमस्ते राजस्थान

शिवगंज उपखंड क्षेत्र के गोडाना धुरबाना पंचायत क्षेत्र के पहाडियों में सबसे ज्यादा गोचर भूमि आई हुई है वह उस गोचर भूमि में सबसे ज्यादा रिसोर्ट बने हुए है यह लोग गोचर को भी नहीं छोड़ते हैं तो फॉरेस्ट की भूमि को क्या छोड़ेंगे इसी के पास में फॉरेस्ट की लैंड भी आई हुई है जो अधिकारी कोई ध्यान नहीं दे रहे है उपखंड अधिकारी महोदय द्वारा तो ध्यान देना ही उचित नहीं समझते तहसीलदार महोदय ऑफिस से बाहर नहीं निकलते व पटवारी व राजस्व निरीक्षक को यह भूमाफिया खरीद लेते हैं वह खुद का बड़ा-बड़ा रिसोर्ट बनाकर उसमे धंधा करते हैं क्योंकि जंगली जानवर आएंगे तो जाएंगे कहां जब यह होटल वह रिसोर्ट बनने चालू हो गया तो जहां पर गोचर की भूमि गाय माता वह जानवरों के लिए आरक्षित होती है उस पर भी कब्जा कर-के लोगों ने खुलेआम बड़ी-बड़ी होटले बनानी चालू कर दि है क्योंकि हर पंचायत क्षेत्र में गोचर भूमि है उन सभी गोचर भूमि में भूमाफियाओं का कब्जा है क्योंकि भूमाफिया पहले से कर ताक मे रहते हैं सबसे ज्यादा महंगी जमीन है यह गोचर भूमि ही होती है उसको फजीर्वाड़ा मे कर फिर हेरा फेरी करके उस जमीनों को बेच देते हैं फिर कोई बहारी लोग जाकर उसमें फंस जाते हैं फिर उन्हें मजबूरी में इन अधिकारियों की गुलामी करनी पड़ती है पर आदि होगी जब कामबेश्वर महादेव मंदिर के पास पहाड़ीयो वह कोलर की पहाड़ियों पर भी होटल बननी चालू हो गई रिसोर्ट बनने चालू हो गया क्योंकि पटवारी व राजस्व निरीक्षकों का ध्यान पूरा उस पर रहता है पर धन के आगे सब नतमस्तक रहते हैं धन के आगे किसी की नहीं चलती क्योंकि बड़े अधिकारियों पर दबाव बनाकर धन की मांग करते हैं फिर वह धन लाकर इनको दे देते हैं फिर यह छोटा अधिकारी धन लाकर नहीं देंगे तो इनका ट्रांसफर करवाया जाता है इन भूमाफियाओ से यह धन की मांग करते हैं फिर भूमाफिया उसका फायदा उठाकर 1 फीट जमीन से हजारों फीट जमीन पर कब्जा कर लेते हैं वह जवाई बांध क्षेत्र में सैकड़ो बिधा का उल्टे सीधे कब्जे हो रहा है यहां पर राजस्थान सरकार मंत्री महोदय वह प्रभारी मंत्री के के बिश्नोई को शिवगंज में मीटिंग करने नहीं दिया जाता है वह जब बारिश नहीं हो रही थी तब सरकार ने प्रभारी सचिव महोदया बनकर राजस्थान सरकार की और से इनको यहां भेजा तब स्थानीय पत्रकारों वह कुछ जनप्रतिनिधियों ने यहां की बातें उठाई वह पूरी हकीकत जानकारी उनको बताई तब नाराज हो गई उन्होंने अधिकारियों को फटकार लगाकर इधर की व्यवस्था सुधारने की बात कही तब अधिकारियों ने इस बार जब वह प्रवास पर आई तब उन्हें स्थानीय पत्रकारों व जनप्रतिनिधियों को बुलाने उचित नहीं समझा तीसरे दिन जब आने का पता चला तभी सबको पता चला कि यहां पर कौन उल्टा सीधा काम करवा रहा है इसी क्षेत्र की जांच करवाई जाए तो गोचर भूमि कितने बिधो में पड़ी है सबसे ज्यादा कोलर डुवन गोडाना धुरबाणा क्षेत्र व कामबेश्वर महादेव की पहाड़ियों में बड़गांव रघुनाथपुरा सहित आसपास क्षेत्रों में कितने बीघा गोचर भूमि पड़ी है उस गोचर भूमि को खुली करवाई जाए वह इन गोचर भूमि पर कितना भूमि पर इनका कब्जा है उसे तुरंत हटाना चाहिए वह जंगली जानवरों के रहने के लिए वहां पर झाड़ियां लगानी चाहिए क्योंकि ऐसे ही महात्मा गांधी नरेगा कर्मचारी फोकट का पैसा उठाते हैं उन्हें हर क्षेत्र में पेड़ पौधे लगाने का आदेश देना चाहिए कि वहां पर पेड़ पौधे लगाकर जंगली जानवरों के रहने की सुविधा कर सके ऐसे ही इन क्षेत्रों में सैकड़ो तेंदूऐ भालू सियार लोमड़ी हिरण नीलगाय खरगोश और अन्य जंगली जानवर रहते हैं उनकी रक्षा करनी तो दूर की बात यह लोग उनका शिकार करने में सहायता करते हैं यह रिसीर्ट मालिक वह होटल वाले बड़े-बड़े बोर्ड लगाकर अपनी एडवर्टाइज करते हैं वह लोगों को बुलाकर जिप्सी में खुलेआम घूमते हैं इसके बाद भी इन सरकारी कर्मचारियों की नींद नहीं खुलती और वह लोग जंगली जानवरों का शिकार कर अपना भोजन करते हैं वह ईन पहाड़ियों के पास में जितने भी रिसोर्ट बने उन पर से अतिक्रमण हटाना चाहिए यह सभी जमीन है जो गोचर फौरेसट विभाग जंगल की जमीन है वहां पर जंगली जानवरों के लिए आरक्षित रखनी चाहिए कि लोग आकर यहां पर उनका शिकार न कर सके इस क्षेत्र में जितने भी गाड़ियां खुलेआम घूम रही है उन्हें परिवहन विभाग द्वारा जब्त करनी चाहिए तब जाकर भगवान शिव की नगरी कामबेश्वरजी महादेव इलाका है का वह कोलर माताजी की पहाड़ियों में जंगली जानवर खुल्ले आम रह सकते हैं क्योंकि यहां पर अधिकारी खाली आकर बातें करते हैं नहीं किसी को रोकते हैं और नहीं किसी के विरुद्ध कार्रवाई करते तो भविष्य में यह लोग कभी दिखाई नहीं वही लोग यहां पर आकर इन जंगली जानवरों की रक्षा कर सकते हैं यहां पर कोलर हिल्स नाम से एक बड़ा गोचर भूमि में रिसोर्ट बनाएं इसके मालिक ने उपखंड अधिकारी में फर्जी डॉक्यूमेंट भेज कर वह तहसील कार्यालय में फर्जी दस्तावेज पेश कर उसका फजीर्वाड़ा करना चाहते हैं लोगों को गुमराह करके जो फजीर्वाड़ा कर देंगे फिर उसे रिसोर्ट में अब बिना स्वीकृति के इतने जोर-जोर से डीजे बजाए जा रहे हैं जिससे जंगली जानवर परेशान हो रहा है अगर इसकी स्वीकृति मिल गई तो समझ लो यह लोग क्या करेंगे सरकारी जमीन को भी नहीं छोड़ेंगे इसलिए जितनी भी सरकारी जमीन फॉरेस्ट लैंड गोचर भूमि पर हुए अतिक्रमण को तुरंत हटाना चाहिए वह यहां पर बैठे पुराने पटवारी राजस्व निरीक्षक व फॉरेस्ट के अधिकारियों को हटाना चाहिए नए अधिकारियों को लाकर वास्तविक स्थिति की जानकारी लेनी चाहिए नहीं तो यहां की जनता को बड़ा आंदोलन करना पड़ेगा जिसकी तमाम जिम्मेदारी प्रशासन की रहेगी यह अतिक्रमण करने वाले उल्टा चोर कोतवाल को डांटे पत्रकारो को घमकीया देते है फिर भी यह राजस्व विभाग व फौरेसट विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने अभी तक कोई कारवाई नही की

ईनका क्या कहना है

शिवगंज सिरोही तहसील कार्यालय व उपखंड क्षेत्र के पंचायत समिति के क्षेत्रों में सैकडों बिधा भूमि पर कब्जा कर लिया है जो जंगलों जानवरों के निवास करने की जमीन पर कब्जा कर बडी बडी होटलों व रिसोर्ट बनाकर खुल्ले आम धंधा कर रहे हैं वहां पर कोई भी कारवाई नही कर रहे है मोती महाराज की धुणी की पहाड़ियों मे कामबेश्वरजी महादेव मंदिर व कोलर की पहाड़ियों व आसपास गांवो से हजारो बिधा गोचर व फौरेसट की जमीन पडी है वहाँ पर होटले रिसोर्ट बन गया है प्रशासन कोई कारवाई नही कर रहे है कब कारवाई होगी

सम्भागीय आयुक्त महोदया व जिला कलेक्टर को पत्र देने के बाद नियमों के विरुद्ध हुए प्लानो के खिलाफ कार्रवाई क्यू नही कर रहे है उपखंड कार्यालय के विरुद्ध

एक को नोटिस नही दिया 190 पत्रावलीओ को दस साल हो गया नियम अनुसार पाँच साल मे कृषि आधारित उद्योग होने चाहिए

एग्रो बेस इंडस्ट्रीज नाम पर हुआ घोटाला एससी एसटी की जमीन जनरल के नाम करने करोड़ों मे बेचने का धोरखधंधा गरीबों की जमीन अमीरों के नाम पर करने की कारवाई पर लगाम लगाएगी सरकार

सब एग्रो बेस इंडस्टरीज की जगह पर कट गई कोलोनी पट्टे जारी हो गएँ अब क्या कारवाई होगी

कोलोनीया खारिज कर यह भूमि को वापस एससी-एसटी के नाम होनी चाहिए

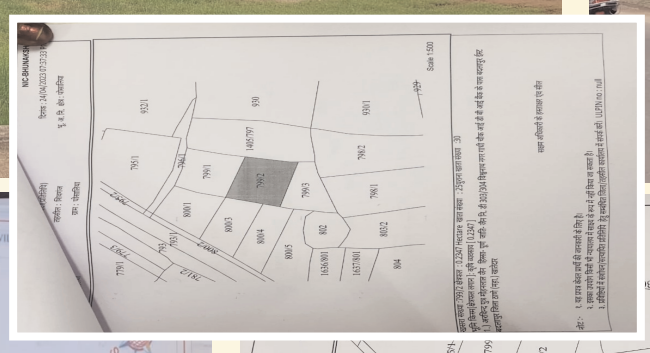

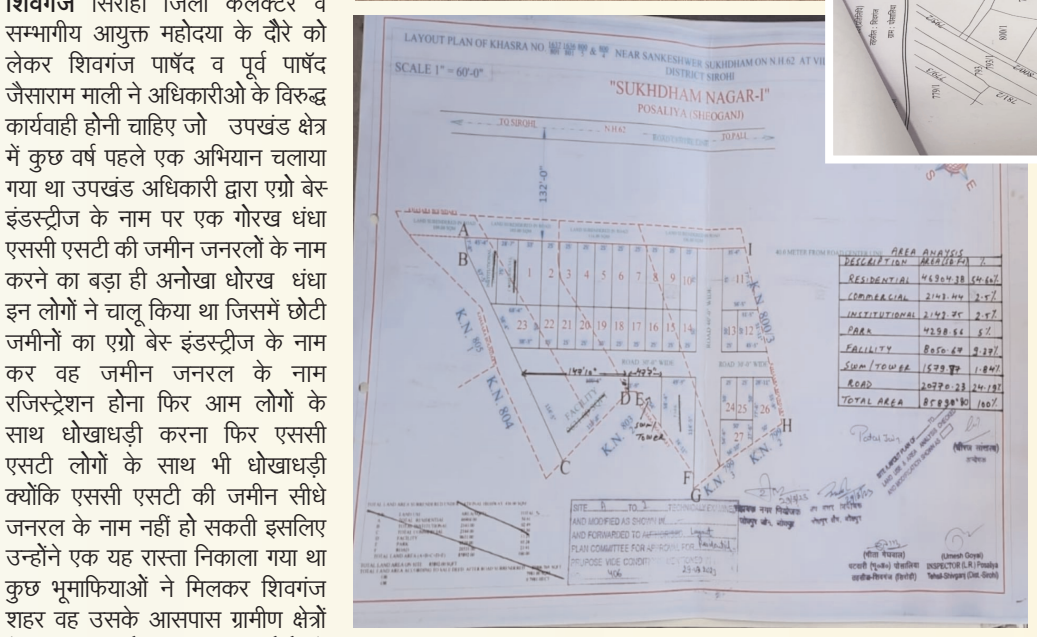

भूमाफियाओ ने जनरल वालो को बेच दी कोलोनी स्वीकृत हो गई उपखंड कार्यालय मे स्वीकृत हुई है कोलोनी

पोसालिया
पोसालिया
पोसालिया
शिवगंज
जिला :- सिरोही
अंतिम चौसाला आधार सम्वत :- 2075 - 2078 जमाबंदी 2078 (वर्ष 2022) मे स्थायी
भूमि धारक का नाम :- राज.सरकार
क्षेत्रफल की ईकाई :- हैक्टेयर
खाता संख्या नया :- 25
खाता संख्या पुराना :- 28
काश्तकार का नाम:-
1. अरविन्द पुत्र मोहनलाल जैन हिस्सा- पूर्ण जाति- जैन नि. डी 303/304 विश्वनाथ नगर गाधी चौक आई डी बी आई बैंक के पास बदलापुर ईस्ट बदलापुर जिला ठाणे (महा.) खातेदार,

खसरा संख्या	क्षेत्रफल	भूमि वर्गीकरण		कृषक द्वारा संदत्त लगान	सिंचाई के साधन	अन्तरण के क्रम में प्रमाणित नामान्तरकरण संख्या व दिनांक	टिप्पणी
1636/801	0.1862	कृषि व्यवसाय	0.1862				
1637/801	0.2428	कृषि व्यवसाय	0.2428				
799/1	0.2347	कृषि व्यवसाय	0.2347				
799/2	0.2347	कृषि व्यवसाय	0.2347				
799/3	0.1538	कृषि व्यवसाय	0.1538				
800/3	0.2104	कृषि व्यवसाय	0.2104				
800/4	0.2104	कृषि व्यवसाय	0.2104				
800/5	0.2023	कृषि व्यवसाय	0.2023				
कुल खसरे - 8	1.6753		1.6753				

यह प्रपत्र केवल प्रार्थी की जानकारी के लिए है।
इसका उपयोग किसी भी न्यायालय मे साक्षी के रूप मे नहीं किया जा सकता है।
नकल जारी करने की तिथि :- 24-Apr-2023
NIC

नमस्ते राजस्थान

शिवगंज सिरोही जिला कलेक्टर व सम्भागीय आयुक्त महोदया के दौरे को लेकर शिवगंज पार्षद व पूर्व पार्षद जैसाराम माली ने अधिकारीओ के विरुद्ध कार्यवाही होनी चाहिए जो उपखंड क्षेत्र में कुछ वर्ष पहले एक अभियान चलाया गया था उपखंड अधिकारी द्वारा एग्रो बेस इंडस्ट्रीज के नाम पर एक गोरख धंधा एससी एसटी की जमीन जनरलों के नाम करने का बड़ा ही अनोखा धोरख धंधा इन लोगों ने चालू किया था जिसमें छोटी जमीनों का एग्रो बेस इंडस्ट्रीज के नाम कर वह जमीन जनरल के नाम रजिस्ट्रेशन होना फिर आम लोगों के साथ धोखाधड़ी करना फिर एससी एसटी लोगों के साथ भी धोखाधड़ी क्योंकि एससी एसटी की जमीन सीधे जनरल के नाम नहीं हो सकती इसलिए उन्होंने एक यह रास्ता निकाला गया था कुछ भूमाफियाओं ने मिलकर शिवगंज शहर वह उसके आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ा ही अनोखा धंधा इन लोगों ने किया जो आम गरीबों के साथ धोखाधड़ी अमीरों के साथ सरकार को भी चूना लगाया फिर जनरल के नाम होते ही इन्होंने उसमें बड़ी-बड़ी कालोनियां काटकर लोगों को प्लॉट बेचे गए जो कितना बड़ा धोखा है क्योंकि उसमें नियम था कि अगर जो एग्रो बैस इंडस्ट्रीज है उसमें 5 साल तक कोई भी प्रोडक्ट नहीं लगाया जाता तो सत्य व भूमि वापस जिसके नाम की थी उसके नाम हो जाएगी पर इन्होंने एक के खिलाफ भी कार्रवाई नहीं की 10 साल से अधिक बीत जाने के बाद भी इन्होंने आज तक नहीं तो नोटिस दिया और नहीं कोई कार्रवाई की उनमें कॉलोनी कट गई लोगों के मकान भी बनने चालू हो गए क्योंकि उपखंड अधिकारी वह पटवारी राजस्व निरीक्षक तहसीलदार महोदय रजिस्ट्री करने वाले बाबूजी सब इस गोरख धंधे के अंदर मिले हुए है इनको सरासर पता होने के बाद भी इन्होंने उसमें कॉलोनी कटवा दी प्लान स्वीकृत करवा दी उसमें वरिष्ठ नगर नियोजक जोधपुर के अधिकारी भी मिले हुए जिन्होंने लाखों रुपए लेकर काम किया यह काम बहुत सारे हुए क्योंकि क्षेत्र में करीब 190 पत्रावली स्वीकृत हुई है ही इतने हुए तो फिर अन्य जिलों में कितने हुए होंगे अन्य पंचायत को हो तहसील को कितने हुए होंगे क्योंकि यह गोरख धंधा अब बंद होगा और वापस होंगी वह जमीन उसमें जिसके नाम की थी उसके नाम वापस होगी और जिसने भी प्लॉट काँटा है उनके विरुद्ध मुकदमे दर्ज होंगे वह सेठ जमीन वापस उनके नाम हो जाएगी कोलोनी मे ओपन क्षेत्र में यह गोरखधंधा सबसे ज्यादा किया करीब 190 पत्रावली ऐसी थी उसमें यह गोरख धंधा किया गया जो ज्यादातर बड़गांव केसरपुरा चांदाना और अरठवाड़ा पोसालिया सहित आस पास क्षेत्र के अन्य गांवो सहित नेशनल हाईवे पर करोड़ों रुपए की जमीन इसमें शामिल हुई है जो एक बिधा का भाव करीब 1 करोड़ से अधिक का है उसमें भी यह बड़ा घोटाला किया कोई कमी नहीं रखी इन्होंने भ्रष्टाचार करने में वह अब यह भ्रष्टाचार उजागर होगा अब कार्रवाई होगी क्योंकि पहले काग्रेस पार्टी की सरकार में यह गोरख धंधा हुआ था पर वापस कांग्रेस सरकार आते ही इस कार्यक्रम को दबा के रख दिया गया अब वापस भारतीय जनता पार्टी की राज्य में सरकार बनी है अब यह मामले उजागर होंगे क्योंकि जनता के साथ बड़ा इन लोगों ने धोखा किया है इसमें कुछ नेता लोग भी मिले हुए क्योंकि नेताओं के बिना कोई ऐसा काम हो ही नहीं सकता शिवगंज उपखंड क्षेत्र के जमीनों के भाव आसमानों में है कहीं पर एक बीघा का भाव दो करोड़ रूपया कहीं पर डेढ़ करोड़ रूपया कहीं पर एक करोड रुपए है इस भाव की जमीन में यह घोटाला हुआ है तो समझ जाओ कितने घोटाले हुए होंगे क्योंकि जिस व्यक्ति का हुआ था उस वक्त यह रजिस्ट्रेशन का प्रति बिंधा की रेट ?13000 सरकार अपने कोष में जमा करवा रही थी पर उन भूमाफियाओ को एक बिधा का कम से कम 13 लाख से अधिक का फायदा हो रहा था तो अधिकारियों ने कितना लिया होगा आप समझ जाओ फिर बाबू लोग पटवारी लोग राजस्व निरीक्षक इस लाइन में जितने भी अधिकारी थे उन्होंने कितना लिया होगा यह सेंठ की भूमि सीधे जनरल ओबीसी के नाम होना कितना बड़ा घोटाला है क्योंकि अब यह मामला उजागर होना जरूरी है नहीं तो कई लोग अंदर के अंदर मर जाएंगे खाली कुछ लोग व्हाइट चोला पहनकर अंदर से काले हुए घूमते हैं सबसे बड़ा घोटाला करते हैं फिर खुद को बड़ा साधु वह खुद को बड़ा ईमानदार नेता समझते हैं उनकी पोल उजागर होनी जरूरी है ऐसे ही शिवगंज उपखंड कार्यालय से इन सभी पत्रावलियों को जब्त कर रजिस्ट्रेशन बाबू से सभी दस्तावेजों की जांच करवा कर इन भूमि पर कार्रवाई कर यह भूमि सभी बिलानाम हो सकती है बिलानाम दर्ज करवानी चाहिए या फिर उसी गरीब के नाम होनी चाहिए जिसके नाम पहले होती थी क्योंकि उन्होंने सिर्फ पैसा लेना सीखा है गरीबों का भला नहीं करना सीखा इन्होंने हजारों बिधा जमीन ली हुई करोड़ों में बेची गई तो समझो धरती मां को बेचने में कितना बड़ा भ्रष्टाचार करते होंगे यह काम किए थे जो जिले में मेरे हिसाब से एक जगह पर ही हुआ होगा सिरोही में नहीं हुआ होगा शिवगंज के अलावा कहीं नहीं हुआ होगा ऐसे ही इस तहसील में रजिस्ट्रेशन के नाम पर इतने बड़े-बड़े घोटाले किए नियमों के विपरीत भी रजिस्ट्रेशन किए लोगों से पैसा वसूल कर लेते थे इनको नियम कानून पता ही नहीं चलता था और इन लोगों ने करोड़ों रुपए लूटे पर इनको शांति अभी तक नहीं हुई अभी तक यही कार्रवाई कर रहे हैं कैसे भी करके आम जनता को लूटो गरीबों को गला घोटकर खुद अरबपति बनने की कोशिश कर रहे हैं गरीबों को धोखा ही दे रहे हैं क्योंकि इन्होंने जो सेंठ की भूमि थी वह सीधी कन्वेंजन हो नहीं सकती थी फिर यहां पर उपखंड अधिकारीजी एक श्रीमान व एक बडे भूमाफियाओ ने मिलकर कुछ भूमाफियाओ की शहर पर प्रति बिधा के हिसाब से ?13000 बिधा वसूल किया जो कुछ हजारों रुपए खर्च आता था पर इन्होंने अगली जमीन ने करोड़ों रुपए में बेच दी जिसमें अधिकारी भूमाफियाओ व कर्मचारी मिले हुए थे उन्होंने भ्रष्टाचार करने में कोई कमी नहीं रखी और वह रुपए लूटे और शहर की जनता के साथ बड़ा धोखा किया गरीबों को भी नहीं छोड़ा इन लोगों ने क्यों की यह जमीन ज्यादातर मौके की थी फिर उन्होंने मौके के चक्कर में वहां पर कालोनियां काटकर प्लाट काट कर बेचे क्योंकि एग्रो बेस इंडस्टरीज में सिर्फ गाय माता के लिए कृषि आधारित उद्योग ही कर सकते थे उसमें इतनी कमाई नहीं होती थी तभी इन्होंने सिर्फ सेंठ की जमीन ऐसी की जमीन जनरल ओबीसी के नाम करने के लिए गोरख धंधा किया इस गोरखधंधा मैं इन्होंने करोड़ो रुपए की चांदी कर ली पर अब कुछ टाइम पहले पता चला कि उन जमीनों में कॉलोनी कट गई है तब जाकर पता चला बड़ा ही अनोखा धोखा किया है गरीबों के साथ वह जनता के साथ अब उन अधिकारियों वह और भूमाफियाओ के खिलाफ कानून निकालना चाहिए तब जाकर इनको पता चलेगा कि भविष्य में कभी किसी जनता के साथ धोखाधड़ी नहीं कर सके बहुत ही लूट लिया इन लोगों ने वह यह सभी जमीन है वापस एसटी एससी के नाम होनी चाहिए यहां बिलानाम व गोचर मे घोषित कर देनी चाहिए

इनका क्या कहना है क्या अब कारवाई होंगी

शिवगंज उपखंड कार्यालय क्षेत्र के अधीन आने वाले गांवो में शिवगंज तहसील क्षेत्र मे वह कैलाश नगर तहसील क्षेत्र के हुए एग्रो बेस इंडस्टरीज जो कृषि आधारित उद्योग जिसमें नियम था की 5 साल तक अगर उसमें वापस वहां पर कोई धंधा (फैक्ट्री) नहीं किया जाता तो सतह ही वह भूमि वापस उस जमीन मालिक के नाम की हो जाएगी जो शुरू से जिसके नाम थी उपखंड क्षेत्र में करीब 150 से 200 रजिस्ट्री ऐसी हुई उन सभी की जांच होनी चाहिए वह उपखंड ऑफिस से यह पत्रावलीओ की जाच कर इन सभी की जांच कर वापस इन जमीनों को बिलानाम घोषित करवाने का आदेश करना चाहिए वह जिस भी भूमाफियाओ व अधिकारी ने आम जनता के साथ धोखा किया है उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए तब जागरूक लोगों को पता चलेगा कि भविष्य में यह लोग किसी आम जनता के साथ धोखाधड़ी ना कर सके

जैसाराम माली अध्यक्ष जवाई पर्यावरण एवं वन विकास समिति शिवगंज

शिवगंज उपखंड क्षेत्र के सभी गांवों में कुछ साल पहले आम जनता के साथ धोखा किया उन सभी को वापस उन गरीबों के नाम दर्ज होनी चाहिए तब जाकर भूमाफियाओं व आम लोगों को पता चल सके कि भविष्य में ऐसी गलती नहीं करेंगे क्योंकि लाखों की जमीनों के अरबो रुपए बना दिए वह गरीबों के साथ धोखाधड़ी कर दिया यह मामला भविष्य में उजागर होता पर इन्होंने अंदर के अंदर दबाकर इसमें कॉलोनी कन्वॅजन करवानी कितना गलत काम होगा उन सभी की जांच करवा कर यह भूमि वापस बिलानाम दर्ज होनी चाहिए वह जितनी कॉलोनी स्वीकृत की गई है उन सभी को खारिज कर वहां पर बड़े बोर्ड लगवा कर उसे बिलानाम घोषित करवानी चाहिए तहसील कार्यालय के अंदर कुछ कर्मचारी दलाल बनकर एक बीधा का दो लाख रुपए देकर उल्टा भष्ट्राचार फैला रहे यह कार्य करने वाले दलाल के विरुद्ध कार्यवाही होनी चाहिए व ईनकी आय से अधिक संपत्ति की जाँच होनी चाहिए भष्ट्राचार ब्यूरो मे मुकदमा दर्ज कराना चाहिए

कमल सिंह चौहान उद्यमी एक समाजसेवी शिवगंज

सिरोही जिले व शिवगंज तहसील क्षेत्र मे सम्भागीय आयुक्त महोदया जिला कलेक्टर के आगमन व लगातार अखबारों द पुलिस पोस्ट में खबर छपने के बाद नही जागा प्रशासन फिर अंधा बनकर क्यू बैठा है प्रशासन कारवाई क्यू नही करते है सरकारी अधिकारी छुप क्यू है यह एगो बेस नामक खुले आम धंधा चालु किया हुआ है जो एक नियमो की बली चढाकर गरीबों के साथ अमीरों व एससी-एसटी की जमीन पर कब्जा करवाकर भूमाफियाओ ने पावर अंटनी लेकर सेठ लोगो ने फायदा उठाया है जो गरीबों के साथ धोखाधड़ी की है अब सम्भागीय आयुक्त महोदया व जिला कलेक्टर व उपखंड अधिकारी कारवाई करेगे या भष्ट्राचार ब्यूरो मे मुकदमा दर्ज कराना चाहिए

सीमादेवी पार्षद नगर पालिका शिवगंज

47 लाख की ठगी का आरोपी जयपुर से गिरफ्तार:स्टॉक मार्केट में कमाई का झांसा देकर एप डाउनलोड करवाया

नमस्ते राजस्थान

कोटा कोटा की साइबर थाना पुलिस ने हाईटेक साइबर ठगी के आरोपी को जयपुर से गिरफ्तार किया है।आरोपी राजकुमार यादव (24) देवास्यो की ढाणी,जैन छात्रावास के पीछे सांगानेर जयपुर का रहने वाला है।डीएसपी विनोद कुमार ने बताया कि आरोपी पिछले 8 महीने से फरार चल रहा था। काफी समय से ठिकाने बदलकर छिप रहा था। पहले 3 बार पुलिस को गच्चा देकर भागने में सफल रहा। इस बार भी पुलिस को देखकर आरोपी मकान की छतों पर भाग गया। जिसे टीम ने पीछा करके पकड़ा। आरोपी को कोर्ट में पेश कर-के 2 दिन के रिमांड पर लिया है। आरोपी से ठगी की राशि व घटना में शामिल अन्य साइबर ठगों के बारें में पूछताछ की जा रही है।

ठगी के लिए खाते खुलवाकर हायर किए

शुरूआती पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ठगी करने के लिए लोगों के बैंक अकाउंट खुलवाते थे। फिर खातेदार को पैसा देकर उन अकाउंट को हायर कर लेते थे।हायर किए अकाउंट में ठगी का पैसा ऑन लाइन ट्रांसफर करवाते थे। आरोपी राजकुमार ने अपने साथी तेजराज यादव व नफीस मोहम्मद से मिलकर लाखों रूपए की ठगी की है। तेजराज व नफीस को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी।

ये था मामला

14 मार्च को महावीर नगर द्वितीय निवासी रामप्रकाश गोयल ने शिकायत दी थी। जिसमें बताया था कि 20 दिसंबर 2023 को उसके मोबाइल पर व्हाट्सएप लिंक आया। ग्रुप एडमिन राजीव मेहता ने स्टॉक मार्केट में पैसा कमाने का झांसा देकर एक एप डाउनलोड करवाया। फिर प्रॉफिट का लालच देकर मेरे से 47 लाख 15 हजार 507 रूपए ऑन लाइन ट्रांजेक्शन करवाए। शिकायत पर पुलिस ने टीम का गठन किया। ठगी के प्रयोग में लिए गए अकांउट, मोबाइल नम्बरों की जानकारी जुटाई। तकनीकी जांच से आरोपियों तक पहुंची।

अमेजन और फ्लिपकार्ट के 19 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

फेमा नियमों के उल्लंघन का मामला

मुंबई ।

ई-कॉमर्स कंपनियां अमेजन और फ्लिपकार्ट विदेशी निवेश से जुड़े नियमों के कथित उल्लंघन के कारण प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के दायरे में आ गई हैं। इस मामले में फेमा नियमों के उल्लंघन के संदर्भ में ईडी ने इन कंपनियों से जुड़े 19 से अधिक ठिकानों पर तलाशी ली है।

सूत्रों के अनुसार, ईडी मामले में अमेजन और फ्लिपकार्ट के टॉप अधिकारियों को पूछताछ के लिए बुला सकती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि विदेशी निवेश नियमों के उल्लंघन के आरोपों की प्रारंभिक जांच पूरी होने के बाद दोनों कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों को बुलाया जा सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई, हैदराबाद और पंचकूला (हरियाणा) में अमेजन और फ्लिपकार्ट के विक्रेताओं से जुड़े 19 से अधिक ठिकानों पर ईडी द्वारा चलाए गए तलाशी अभियान के बाद ये बात सामने आई है। मामला संज्ञान में आने के बाद एजेंसी ने अनियमितताओं के सबूत जुटाने के उद्देश्य से फेमा नियमों के तहत ये तलाशी अभियान चलाया था।

ईडी की जांच कई तरह की शिकायतों के आने के बाद देखने को मिली है। इसमें आरोप लगाया गया कि अमेजन और फ्लिपकार्ट प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से चुनिंदा

वेंडर्स को फायदा पहुंचाकर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश यानी एफडीआई नियमों का उल्लंघन कर रही हैं। दोनों कंपनियों के खिलाफ शिकायत करने वालों का तर्क है कि इस तरह ये ये ई-कामर्स प्लेटफॉर्म पर अन्य वेंडर्स को समान अवसर नहीं दे रही हैं, जो कि भारत में फेमा के दिशा-निर्देशों के विपरीत है।

सूत्रों की मानें तो ईडी द्वारा तलाशी अभियान चलाए जाने और प्रारंभिक जांच के दौरान मिले सबूतों को इकठ्ठा करने के बाद दोनों कंपनियों के टॉप अधिकारियों को तलब करने की संभावना है।

सीसीआई ने मेटा पर लगाया 213.14 करोड़ रुपए का जुर्माना

-वॉट्सएप पर पांच साल तक मेटा के साथ डेटा साझा करने पर रोक

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने मेटा प्लेटफार्म पर 213.14 करोड़ रुपए का जुर्माना ठोका है। यह जुर्माना वॉट्स्एप की 2021 की प्राइवेसी पॉलिसी के जरिए मेटा द्वारा अपने प्रभावशाली बाजार स्थिति का दुरुपयोग करने के कारण लगाया गया है। यह फैसला पॉलिसी को कैसे लागू किया गया और यूजर्स का डेटा कैसे इकट्ठा और मेटा कंपनियों के साथ साझा किया गया।

इसके अलावा सीसीआई ने मेटा और वॉट्सएप को सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा है कि वे एक तय समयसीमा के अंदर अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करें। सीसीआई ने आदेश दिया है कि वॉट्सएप अगले पांच साल तक मेटा कंपनियों के साथ विज्ञापन के लिए यूजर्स का डेटा साझा नहीं कर सकता है।

इस अवधि के बाद यूजर्स को यह विकल्प दिया जाना चाहिए कि वे गैर-सेवा संबंधी डेटा शेयरिंग से बाहर हो सकें। इसके साथ ही वॉट्सएप को यह साफ तौर पर बताना होगा कि मेटा कंपनियों के साथ कौन-सा डेटा साझा किया है, उसका इस्तेमाल कैसे किया जाता है और उसका उद्देश्य क्या है। यह फैसला वॉट्सएप के लिए एक बड़ा झटका है, क्योंकि भारत में इसके 500 मिलियन से ज्यादा यूजर्स हैं। सीसीआई ने वॉट्सएप की 2021 की सेवा शर्तों और प्राइवेसी पॉलिसी को लेकर यह फैसला सुनाया है। इस पॉलिसी में यूजर्स को मेटा कंपनियों के साथ डेटा शेयरिंग की नई शर्तें स्वीकार करना जरुरी किया था अन्यथा वे ऐप का इस्तेमाल नहीं कर सकते थे।

उस समय ने ऐप के भीतर नोटिफिकेशन भेजकर यूजर्स को 8 फरवरी, 2021 तक इन शर्तों को मानने को कहा था। यह पॉलिसी 25 अगस्त, 2021 की पुरानी पॉलिसी से अलग थी, जिसमें यूजर्स को फेसबुक के साथ डेटा शेयरिंग से ऑप्ट आउट करने की सुविधा दी गई थी।

सीसीआई ने कहा कि वॉट्सएप की 2021 की पॉलिसी ÷ले लो या छोड़ दो÷ की तरह थी, जो उपयोगकर्ताओं को मेटा ग्रुप के साथ डेटा शेयरिंग की शर्तें जरुरी रूप से स्वीकार करने पर मजबूर करती थी।

इसे आयोग ने अनुचित शर्त माना है। पिछले साल सीसीआई ने गूगल के एंड्रॉइड मामले में 1338 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया था और कंपनी से बिजनेस मॉडल में बदलाव करने को कहा था।

पुणित गोयनका ने ज़ी-एंटरटेनमेंट के एमडी पद से दिया इस्तीफा, कंपनी ने बनाया सीईओ

नई दिल्ली।

पुणित गोयनका ने ज़ी-एंटरटेनमेंट के एमडी पद से इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने उन्हें मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बनाया है। कंपनी ने 18 नवंबर को कारोबार की समाप्ति पर उनके इस्तीफे को मंजूर की लिया और उसी दिन सीईओ के तौर पर उनकी नियुक्ति भी कर दी। ज़ी-एंटरटेनमेंट ने जानकारी दी कि कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) मुकुंद गलगली को डिप्टी सीईओ बनाया है। यह बदलाव कंपनी के भविष्य को ध्यान में रखते हुए किया है। पुणित गोयनका की नई भूमिका उनकी मौजूदा फुल-टाइम नौकरी जैसी ही होगी। हालांकि, उनके वेतन का 40 फीसदी वेरिएबल हिस्सा उन्हें केवल कुछ विशेष लक्ष्यों को पूरा करने पर ही दिया जाएगा। इस वेतन की अधिकतम सीमा बोर्ड द्वारा तय की गई है। ज़ी-एंटरटेनमेंट के मुताबिक इस कदम के जरिए गोयनका कंपनी के प्रदर्शन और मुनाफे को बेहतर करने पर पूरी तरह ध्यान देंगे। यह फैसला बोर्ड और नामांकन व वेतन समिति की 15 नवंबर 2024 की बैठक में लिया गया।

बोर्ड ने कहा कि पुणित गोयनका कंपनी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सक्षम हैं। ज़ी-एंटरटेनमेंट ने कहा कि कंपनी मजबूत स्थिति में है और अपने भविष्य के लिए ठोस नींव तैयार करने के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है। यह तय करने के लिए कि हमारे लक्ष्य पूरे हों, संचालन स्तर पर ज्यादा समय और ऊर्जा की जरुरत है। पुनीत गोयनका, जो मीडिया दिग्गज सुभाष चंद्रा के बेटे हैं, उन्होंने कंपनी के संचालन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सीईओ के रूप में फिर से नियुक्ति की मांग की है। ज़ी-एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड बोर्ड ने 18 अक्टूबर को गोयनका को 5 साल के लिए फिर से सीईओ बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। यह कार्यकाल 1 जनवरी 2025 से 31 दिसंबर 2029 तक रहेगा। हालांकि, यह नियुक्ति कंपनी के शेयरहोल्डर्स की 28 नवंबर को होने वाली एनुअल जनरल बैठक में मंजूरी के लिए रखा जाएगा। पिछले हफ्ते बोर्ड ने पुनीत गोयनका के प्रदर्शन के लिए नए और ऊंचे लक्ष्यों को तय किया। विगत दिवस बैठक में बोर्ड ने अगले चार तिमाहियों के लिए समेकित राजस्व और कमाई का लक्ष्य तय किए। साथ ही कंपनी के समेकित शुद्ध लाभ का 25 फीसदी डिविडेंड के रूप में शेयरहोल्डर्स को देने का लक्ष्य तय किया गया है।

साल 2031 तक 7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली ।

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट में अनुमान जताया गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था 2031 तक 7 ट्रिलियन डॉलर के आकार तक पहुंचने की उम्मीद है। इस ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरान देश की जीडीपी की औसत वार्षिक वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि, वित्त वर्ष 2025 से लेकर 2031 तक की वार्षिक वृद्धि दर महामारी से पहले के दशक की औसत वृद्धि दर (6.6 प्रतिशत) के आसपास होगी। इस विकास को मुख्य रूप से पूंजीगत खर्च और उत्पादकता में सुधार से प्रेरित बताया गया है। 2023-24 के चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी विकास दर 6.8 प्रतिशत तक रहने की संभावना है, जिसका कारण उच्च ब्याज दरें और सख्त लेंडिंग नियम हैं, जिससे शहरी मांग पर असर पड़ा है। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि केंद्र सरकार के राजकोषीय घाटे को कम करने के प्रयासों का प्रभाव अर्थव्यवस्था के विकास पर देखने को मिलेगा। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 2024-25 में औसत 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछले साल के 5.4 प्रतिशत से कम होगी। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि मौसम की स्थिति और भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं विकास और महंगाई के लिए महत्वपूर्ण जोखिम हैं। इस वर्ष खरीफ की बुआई अधिक हुई है, लेकिन बेमौसम बारिश और अन्य मौसम संबंधित प्रभावों को लेकर सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि भू-राजनीतिक तनाव के कारण आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हो सकती हैं, व्यापार में विघ्न आ सकता है और तेल की कीमतों में वृद्धि हो सकती है, जो महंगाई और इनपुट लागत को प्रभावित कर सकती है।

बीते एक साल से निवेशकों को निराशा कर रहा रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर

नई दिल्ली ।

पिछले कुछ दिनों से शेयर मार्केट में गिरावट जारी है। हालांकि मंगलवार को शेयर मार्केट में काफी दिनों बाद तेजी दिखाई दी। वहीं दूसरी ओर देश की सबसे ज्यादा वैल्यू वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज कुछ समय से निवेशकों को निराश कर रही है। मुकेश अंबानी की कंपनी के शेयर की कीमत पिछले एक साल काफी गिर गई है। मंगलवार को रिलायंस के शेयरों में एक फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। यह तेजी काफी समय बाद दिखाई दी है। इसके बावजूद इसकी कीमत पिछले 11 माह के स्तर पर है।

पिछले एक साल में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में 8 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी गई है। एक साल पहले रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर की कीमत 1174.68 रुपये थी। अब इस शेयर की कीमत 1277.15 रुपये है। इसके बाद शेयर में एक साल में करीब 8.60 फीसदी की ही तेजी आई है। मंगलवार को इसकी कीमत में उतार-चढ़ाव जारी था। निफ्टी 50 ने एक साल में रिलायंस इंडस्ट्रीज से बेहतर प्रदर्शन किया है। निफ्टी 50 में देश की टॉप 50 कंपनियां होती हैं। निफ्टी 50 एक साल पहले 19694 अंक पर था। अभी यह करीब 23,747 पर है। रिलायंस का शेयर इस साल जुलाई में 1608 रुपये पर पहुंच गया था। यह इसका अब तक का हाई है। लेकिन अपने हाई पर पहुंचने के बाद मानों मुकेश अंबानी की कंपनी के शेयर पर किसी की नजर लग गई। इसके बाद इसमें गिरावट का दौर शुरू हो गया। इसके बाद जुलाई से लेकर अब तक इसमें 20 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। वहीं पिछले एक महीने में रिलायंस का शेयर करीब 6.80 फीसदी गिर गया है। वहीं पिछले 6 महीने में भी इसमें तगड़ी गिरावट आई है। इतने समय में यह 11 फीसदी से ज्यादा गिर गया है। गिरावट के बावजूद जानकार इस शेयर को खरीदने की सलाह दे रहे हैं। कुछ जानकारों का कहना है कि इस शेयर को लॉन्ग टर्म के लिए खरीदकर रखा जा सकता है। कंपनी ने लॉन्ग टर्म में निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है।

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ ही 84.43 पर बंद हुआ। गत दिवस रुपया 84.41 पर बंद हुआ था। वहीं आज सुबह रुपया 84.07 पर खुला। इससे पहले सोमवार को रुपया पांच पैसे की बढ़त पर बंद हआ। गत दिवस सुबह विदेशी पूंजी की निकासी के बाद भी रुपया 84.38 प्रति डॉलर पहुंच गया था। यह निम्नतम स्तर से ऊपर उठकर आठ पैसे की बढ़ोतरी दिखाता है। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने बताया कि तेल की कीमतों में गिरावट के कारण ही मुद्रा में सुधार आया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपया 84.42 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों के बाद 84.38 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। इस बढ़ोतरी के बावजूद रुपया गुरुवार को 84.46 पर बंद हुआ था। वहीं अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ 106.68 पर रुका। विदेशी संस्थागत निवेशक एफआईआई ने गुरुवार को 1,849.87 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जो दिखाता है कि वे बाजार में बिकवाल रहे। विदेशी मुद्रा बाजार में निर्धारित संबंधों के बावजूद, रुपया ने एक मजबूत प्रदर्शन किया और अमेरिकी डॉलर को मुकाबले काफी मजबूती दिखाई।

रियलमी जीटी 7 प्रो की डिस्प्ले तकनीक मिल का पत्थर साबित

नई दिल्ली । चाइनीज कंपनी रियलमी ने डिस्प्ले इनोवेशन की सीमाओं को आगे बढ़ाया है और अब उसने जीटी 7 प्रो स्मार्टफोन के साथ एक नई दिशा में कदम बढ़ाया है। रियलमी जीटी 7 प्रो की डिस्प्ले तकनीक स्मार्टफोन के लिए एक मील का पत्थर साबित हो रही है। यह तकनीक पहले केवल सैमसंग के महंगे फोल्डेबल स्मार्टफोन में ही देखने को मिलती थी, लेकिन अब रियलमी ने इसे प्रीमियम स्मार्टफोन सेगमेंट में पेश किया है, जो विजुअल तकनीक के नए मानक स्थापित कर रहा है। इसके डिस्प्ले में रियलवर्ल्ड इकोट तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जो पोलराइज़र के बिना पहला स्मार्टफोन डिस्प्ले है। इस स्मार्टफोन की डिस्प्ले में 120 प्रतिशत डीसीआई-पी3 कलर गैमट का समर्थन किया गया है, जो प्रोफेशनल मॉनिटर्स से भी बेहतर है। इसके कारण हर फोटो, वीडियो और एनीमेशन को अत्यधिक जीवंत और रंगीन बनाया जाता है। 6500 निट्स की पीक ब्राइटनेस के कारण स्क्रीन धूप में भी पूरी तरह से स्पष्ट दिखाई देती है, जिससे बाहर फोटोग्राफी और नेविगेशन करना बहुत आसान हो जाता है। गेमिंग के शौकिनों के लिए इस डिस्प्ले में 120 एफपीएस की क्षमता और वन पॉइंट फाइव रिज़ॉल्यूशन उपलब्ध है, जिससे फास्ट-पेस्ड गेम्स जैसे पबजी और रेसिंग गेम्स का अनुभव बेहद स्मूथ और इमर्सिव होता है। रियलमी जीटी 7 प्रो की डिस्प्ले तकनीक का सबसे बड़ा आकर्षण इसकी प्रदर्शन और दक्षता का अनोखा संतुलन है। रियलमी और सैमसंग द्वारा विकसित इको ओलेड प्लस तकनीक ने बिजली की खपत को 52 प्रतिशत तक कम कर दिया है, जबकि दृश्य गुणवत्ता को बरकरार रखा है। इससे उपयोगकर्ता बिना बैटरी की चिंता किए लंबे समय तक स्ट्रीमिंग या गेमिंग का आनंद ले सकते हैं। पोलराइज़र लेयर को हटाने से न सिर्फ पावर की बचत होती है, बल्कि स्क्रीन की रोशनी और स्पष्टता भी बढ़ जाती है, जिससे रोजमर्रा के इस्तेमाल में डिस्प्ले और भी चमकदार और साफ दिखाई देती है।

आज शेयर बाजार रहेगा बंद, इस हफ्ते तीन दिन नहीं होगी ट्रेडिंग

-दिसंबर महिने में भी 10 दिन नहीं होगा कारोबार, बाजार रहेगा बंद

नई दिल्ली। 20 नवंबर को महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होना है। इस वजह से शेयर बाजार बंद रहेगा। इस दौरान शेयर बाजार में किसी भी प्रकार की ट्रेडिंग नहीं होगी। शेयर बाजार में कब छुट्टी रहती है, इसे लेकर बीएसई और एनएसई साल का कैलेंडर जारी करते हैं। चूंकि कई बार ऐसे मौके आते हैं जब किसी दिन छुट्टी के बारे में कैलेंडर में जानकारी नहीं होती है। ऐसे में बीएसई और एनएनई नोटिफिकेशन के जरिए छुट्टी की घोषणा करते हैं। शेयर बाजार में इस हफ्ते भी तीन दिन छुट्टी रहेगी। पिछले हफ्ते भी तीन दिन छुट्टी थी। पिछले हफ्ते 15 नवंबर को गुरुनानक जयंती के मौके पर शेयर बाजार बंद था। इसके बाद शनिवार और रविवार की छुट्टी हो गई थी। बता दें दिसंबर में 10 दिन कारोबार नहीं होगा। 10 दिन शेयर बाजार बंद रहेगा। इसमें 4 शनिवार और 5 रविवार शामिल हैं। इसके अलावा 25 दिसंबर को क्रिसमस के मौके पर भी शेयर मार्केट बंद रहेगा। मंगलवार को शेयर मार्केट में काफी दिनों बाद तेजी देखी गई। सेंसेक्स एक हजार अंकों से ज्यादा उछला। वहीं निफ्टी में भी 300 अंकों से ज्यादा की तेजी आई। शेयर बाजार में इस तेजी के साथ निवेशकों को 6 लाख करोड़ रुपए का मुनाफा मिला।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। इस तेजी के साथ ही पिछले दिनों से जारी गिरावट पर भी अंकुश लग गया। आज कारोबार के दौरान इंडेक्स में दिग्गज कंपनियों एचडीएफसी बैंक और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में उछाल से बाजार ऊपर आया। इसके अलावा घरेलू निवेशकों की लगातार खरीदारी से भी बाजार को बल मिला।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 0.31फीसदी तकरीबन 239.37 अंक बढ़कर 77,578.38 पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.28 फीसदी तकरीबन 64.70 अंक बढ़कर 23,472.75 पर बंद हुआ पर निफ्टी की 50 कंपनियों में से 27 के शेयर गिरावट पर बंद हुए।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा का शेयर सबसे ज्यादा 3.55 फीसदी बढ़कर बंद हुआ। इसके साथ ही टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, टाइटन, टाटा मोटर्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड और इंफोसिस के शेयर भी बढ़े।

वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फिनसर्व, मारुति, टाटा स्टील और भारती एयरटेल के शेयरों में गिरावट रही।

बाजार जानकारों के अनुसार आज निचले स्तरों पर हुई खरीदारी और दिग्गज कंपनियों के शेयरों एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा और एमएंडएम में उछाल से बाजार ऊपर आया है। बाजार में और भी उछाल आता पर अंतिम घंटे में हुई गिरावट से उसकी तेजी कुछ हद तक कम हुई वहीं विदेशी निवेशकों ने गत दिवस

1,403.40 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 2,330.56 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

वहीं एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग बढ़त पर बंद हुए जबकि यूरोपीय बाज़ार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार गत दिवस बढ़त पर बंद हुए।

वहीं इससे पहले बाजार मंगलवार को तेजी के साथ खुला। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनियां भर से मिले मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी रहने से हुआ है। सुबह कारोबार के दौरान बीएसई सेंसेक्स 266 अंकों की बढ़त के साथ 77,605 पर कारोबार करता दिखा, जो 0.34 फीसदी की बढ़त दिखाता है जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 83.70 अंकों तकरीबन 0.36 फीसदी की तेजी के साथ 23,537 का स्तर पर पहुंच गया।

मारुति सुजुकी की घरेलू बिक्री में गिरावट दर्ज

नई दिल्ली। बीते महीने अक्टूबर 2024 में मारुति सुजुकी ने 1,59,591 यूनिट्स की घरेलू बिक्री की। कंपनी की यह बिक्री पिछले साल अक्टूबर 2023 में बेची गई 1,68,407 यूनिट्स की तुलना में 5प्रतिशत कम है। वहीं फेस्टिव सीजन की बदौलत सितंबर 2024 की तुलना में 10प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। मारुति की अर्टिगा ने 18,785 यूनिट्स की बिक्री के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जिसमें 32प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज हुई। स्विफ्ट ने 17,539 यूनिट्स बेचीं, हालांकि इसकी बिक्री में 15त्न की गिरावट हुई। ब्रेजा, फ्रॉन्क्स और बलेनो ने क्रमशः तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर कब्जा किया, जबकि ग्रैंड विटारा ने 14,083 यूनिट्स की बिक्री के साथ 30प्रतिशत का शानदार सुधार दिखाया। सेडान सेगमेंट की सियाज ने केवल 659 यूनिट्स बेचीं, जो इसके लंबे समय से अपग्रेड न होने का संकेत है। मारुति सुजुकी ने फेस्टिव सीजन का लाभ उठाकर कुल बिक्री में मामूली बढ़त हासिल की, लेकिन कई मॉडलों की गिरती मांग कंपनी के लिए एक चुनौती बन सकती है। कभी सबसे ज्यादा बिकने वाली ऑल्टो ने केवल 8,548 यूनिट्स बेचीं, जो 24प्रतिशत की गिरावट दर्शाती है। जिम्नी और एक्सएल6 की बिक्री क्रमशः 1,211 और 3,285 यूनिट्स रही, जिनमें 35प्रतिशत और 25 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई।

इंडोनेशिया में आईफोन 16 पर बैन..... हटवाने दिया 844 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्ताव

मुंबई ।

इंडोनेशिया में एप्पल ने आईफोन 16 पर लगे बैन को हटवाने के लिए सरकार को 844 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्ताव दिया है। कंपनी के सूत्रों के मुताबिक, एप्पल ने अपना निवेश प्रस्ताव करीब दस गुना बढ़ा दिया है। यह कदम इंडोनेशिया सरकार को आईफोन 16 पर बैन हटाने के लिए मनाने की नई कोशिश के रूप में सामने आया है। एप्पल अब दक्षिण-पूर्व एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में अगले दो साल में करीब 844 करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बना रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, एप्पल का पहले का निवेश प्रस्ताव केवल 10 मिलियन डॉलर (करीब 84 लाख रुपए) का था। लेकिन अब एप्पल ने अपनी निवेश राशि में भारी वृद्धि की है। इंडोनेशिया के उद्योग मंत्रालय ने अभी प्रस्ताव पर सहमति नहीं दी है, हालांकि पिछले माह आईफोन 16 की बिक्री पर बैन लगा दिया गया था। इंडोनेशिया सरकार ने बैन के बाद एप्पल से कहा था कि वहां अपने स्मार्टफोन के लिए रिसर्च और विकास पर ज्यादा ध्यान दे और लोकल मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए अपनी निवेश योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करे। मंत्रालय का कहना है कि एप्पल ने अपने पिछले निवेश के तहत डेवलपर अकादमियों के माध्यम से लगभग 1.5 ट्रिलियन रुपिया (करीब 801 करोड़ रुपए) का निवेश किया था, जो कि उसकी घोषित प्रतिबद्धता से कम था। एप्पल के अधिकारियों को पहले इंडोनेशिया के उद्योग मंत्री अगुस गुमीवांग कार्तसस्मिता से मिलने के लिए बुलाया गया था, लेकिन जब वे जकार्ता पहुंचे, तब उन्हें बताया गया कि मंत्री उपलब्ध नहीं हैं। इसके

बाद उन्हें मंत्रालय के डायरेक्टर जनरल से मिलना पड़ा। यह घटना एप्पल के निवेश प्रस्ताव और सरकार के साथ बातचीत में अहम मोड़ साबित हुई। इंडोनेशिया सरकार का कहना है कि एप्पपल की लोकल यूनिट ने स्मार्टफोन और टैबलेट के लिए 40 प्रतिशत स्थानीय सामग्री का इस्तेमाल करने की आवश्यक शर्तों को पूरा नहीं किया, इसलिए आईफोन 16 की बिक्री को बैन कर दिया गया।

वार्डविजार्ड को इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर निर्यात का बड़ा ऑर्डर मिला

नई दिल्ली । वार्डविजार्ड इनोवेशन्स एंड मोबिलिटी कंपनी को फिलीपींस से इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर निर्यात का बड़ा ऑर्डर मिला है। कंपनी को यह ऑर्डर बेलुआ इंटरनेशनल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन से मिला है। इसके तहत, वार्डविजार्ड ने अपने ब्रांड जॉय ई-बाइक और जॉय ई-रिक के तहत तैयार कस्टमाइज्ड ई-ट्राइक (ड्राइवर प्लस 10 सीट) फिलीपींस भेजा है। वार्डविजार्ड को बेलुआ इंटरनेशनल से 1.29 बिलियन डॉलर का ऑर्डर मिला था। इस कस्टमाइज्ड ई-ट्राइक को फिलीपींस सरकार के सार्वजनिक परिवहन आधुनिकीकरण कार्यक्रम को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इस प्रोग्राम का उद्देश्य पुराने और प्रदूषणकारी वाहनों को हटाकर उन्हें पर्यावरण-अनुकूल इलेक्ट्रिक वाहनों से बदलना है। फिलीपींस में सार्वजनिक परिवहन सुधार के लिए यह ई-ट्राइक फिलहाल परीक्षण के लिए भेजा गया है। फरवरी 2025 में, वार्डविजार्ड अन्य इलेक्ट्रिक वाहनों की खेप भी जांच के लिए भेजेगी, ताकि स्थानीय परिवहन जरूरतों को समझा जा सके। कंपनी का लक्ष्य पर्यावरण के अनुकूल वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देना और अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग की साख को ऊंचा करना है। फिलीपींस में इस पहल से न केवल देश के सार्वजनिक परिवहन में सुधार होगा, बल्कि यह इलेक्ट्रिक वाहनों के पर्यावरणीय लाभ को बढ़ावा देने में भी सहायक साबित होगा।

हिन्दी साप्ताहिक समाचार-पत्र

NAMASTE RAJASTHAN

नमस्ते राजस्थान

खबरों की सत्यता, निष्पक्षता, पारदर्शिता

E-MAIL
namasterajasthan11@gmail.Com
nrnews100@gmail.com

राजस्थान

08

भीलवाड़ा

बुधवार 20 नवम्बर 2024

श्री जी नगर से बहार पडी राजमाताजी की जमीन पर कब्जा करवाकर पट्टा बनाकर देने की तैयारी वालों के विरुद्ध कार्यवाही होनी चाहिए

आखरीया भट्टे के पिछे पडी सरकारी जमीन बनाएँ जानें वाले पट्टे को खारिज करवे

जमीन सरकारी पर कब्जा कर परिवार को बेचा ईस जमीन पर राजमाताजी धर्मशाला की स्वीकृति प्रदान करावे

एक काग्रेसी नेताओं व बहारी लोगो को पट्टे बनाने वालों के पट्टे खारिज करावे

नमस्ते राजस्थान

शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र के सबसे महंगे क्षेत्र के आखरिया भट्टे पर जितना फिट कब्जा किया उठने का पट्टा बनाकर नगर पालिका ने दे दिया करोड़ों की जमीन पर फोकट में पट्टा जारी किया क्या करें एक समुदाय के होने से इनका फायदा इस वाले पालिका के कांग्रेस बोर्ड ने दिया सरकार द्वारा 91 रेगुलराइज का सरकार नियम अनुसार है कि जिसका वह उसके परिवार के नाम पर कहीं पर मकान या प्लॉट नहीं हो या किसी प्रकार का सरकार से कोई फायदा नहीं लिया हो उनको ही भुखंड का पट्टा दिया जा सकता है पर शिवगंज नगर पालिका ने तो उल्टा ही काम कर दिया जिनके परिवार के नाम पर मकान है प्लाट है उसको भी करीब 6000 फीट से अधिक का पट्टा जारी कर दिया एक परिवार को ऐसा ही उनका मकान व पलोट बीसलपुर में मकान के पट्टे होने के बाद भी यहां पर करीब 6000 से अधिक फिट का मुख्य रोड पर पट्टा जारी कर दिया गया प्लॉट के आजू-बाजू को तीन रास्ते गुजरते हैं वह पट्टा देखकर नगर पालिका के अधिकारी अध्यक्ष ने मिलकर पालिका को करोड़ों का नुकसान पहुंचाया गया यह वसूली ईन अधिकारीयों व पालिकाध्यक्ष से होनी चाहिए और उनके विरुद्ध भ्रष्टाचार ब्यूरो मे मुकदमा दर्ज करवा कर इन दोषियों को जेल भेजना उचित रहेगा यह क्या करते हैं इनके बड़े नेता के इशारे पर और अपने वोट बैंक के चक्कर में फर्जी पट्टे जारी कर रहे हैं ऐसे ही शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र के छिपावास नुक्कड़ पर भी ऐसा ही पट्टा जारी किया है विश्व सूत्रों के अनुसार छिपावास नुक्कड़ पर एक बड़ा भूकंप जिसका पट्टा अभी चुनाव से 2 दिन पहले वोट बैक के चक्कर में चुनाव से दो दिन पहले बैंक डेट में जारी कर दिया जिस भुखंड के लिए शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र पूरा वह शहर का पूरा बाजार बन्द रहा था बड़ा आंदोलन हुआ था बहुत ही बड़ी रैली निकाली थी उपखंड अधिकारी को ज्ञापन भी दिया था वह नगर पालिका बोर्ड की मीटिंग को खत्म कर वह भुखंड का पट्टा नहीं देने के लिए पालिका पर दबाव बनाया था पालिका प्रशासन शिवगंज उसको रोक कर उस मीटिंग को खारिज कर दिया था अब चुनाव के दो दिन पहले जानकारी मिली है कि उस भुखंड का इन्होंने को पट्टा जारी कर दिया एक समुदाय को नहीं देना चाहिए था ईस भुखंड के सामने ही एक मंदिर है मंदिर के पुजारी द्वारा उस भूमि में जब मेला भरा जाता है तब वहां पर भोजन प्रसादी का आयोजन किया जाता है और उस भुखंड के पास ही एक समुदाय ने नगर पालिका द्वारा स्नान घर बनाया हुआ है स्नान घर पर भी लोगों ने कब्जा कर दिया उसके आगे नदी किनारे तक कुछ लोग कब्जा कर निवास कर रहे है उन्हें हटाना तो उनको उचित नहीं समझा और उन्होंने जो मंदिर के लिए चारदीवारी बनाकर रखी थी उसी का पट्टा जारी कर दिया शहर में कोई विवाद न बढ़ जाए और ऐसा शहर में शांति भंग हो नही हो फिर इन नेताओं को क्या लाना देना नेताजी तो सुरक्षित रह जाते हैं और शिवगंज की जनता को आपस में झगड़ा करा कर खुद आनंद उठा लेते हैं शिवगंज शहर एक शांतिपूर्ण शहर हो यहां पर कभी ऐसा विवाद नहीं हुआ जिसके लिए किसी में आपस मे दरार पड़े और यहाँ के नेता नहीं चाहते यह लोग सब एक हो कर रहे क्योंकि ऐसा कर दिया तो सिर्फ इनको तो वोट बैंक के चक्कर में यह पट्टे जारी हुए राजस्थान सरकार वह स्वायत्त शासन विभाग को खारिज करने चाहिए जिस शहर का वातावरण खराब ना हो और शहर में शांति बनी रहे अगर कहीं पर मंदिर धर्मशाला के लिए जमीन मांगी गई हो तो उन्हें नहीं दी जा सकती और उसका पट्टा नहीं मिलता है पर यह समुदाय को एक अन्य समुदाय को तुरंत ही पट्टे मिल जाते हैं क्योंकि वह उनका वोट बैंक हैशिवगंज शहर का वह पालिका प्रशासन को राजस्व का करोड़ो का नुकसान पहुंचा रहे है इन लोगों ने सब नुकसान किया वो इन नेताओं से वसूल करना चाहिए तब जाकर इनको पता चले कि भविष्य में ऐसे पट्टे जारी न करें जिसका पालिका प्रशासन को नुकसान हो वह खुद का वोट बैंक बढ़ जाए इन पट्टो के लिए पालिका में पूर्व में आपत्ति लगी हुई है और आपत्ति लगाई जाती है उस आपत्ति की सुनवाई भी नहीं करते बिना सुने ही सीधे इनको पट्टे जारी कर देते हैं अब इसका पट्टा दो दिन पहले दिया उस पट्टे का रजिस्ट्रेशन नहीं होना चाहिए उपखंड अधिकारी महोदयजी व तहसीलदार महोदयजी से शिवगंज शहर की जनता का अनुरोध किया जाता है कि यह पट्टा का रजिस्ट्रेशन नहीं हो सीधा यह पट्टा खारिज होना चाहिए आखरीय भट्टे वाले दोनों पट्टे 12000 स्क्वायर फीट जो 6000 प्लस 6000 फीट से अधिक के बाद करीब करोडों रुपए की जमीन आनंन फानन में फोकट में दे दी और पालिका को करोड़ों का चूना लगा दिया इन लोगों ने यह पता चलना चाहिए सरकार को चूना लगाने वालों के बीच तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए वह जो नुकसान पालिका प्रशासन को पहुंचा उनके विरुद्ध कार्रवाई करनी चाहिए अपने वोट बैंक के चक्कर में पालिका को नुकसान पहुंचाने वाले अधिकारी हो या कोई भी नेतागण व उनके विरुद्ध कार्यवाही होगी तब जाकर उनको पता चलेगा कि भविष्य में राजस्व का नुकसान नहीं पहुंचा सके भ्रष्टाचार ब्यूरो के निर्देश अनुसार जो सरकार को 50000 से अधिक का नुकसान पहुंचाते हैं उनके विरुद्ध मुकदमा दर्ज होना आवश्यक होता है ऐसे पालिका प्रशासन ने इन दोनों को पट्टा देकर पालिका को करोड़ों का नुकसान पहुंचाया है इसलिए उनके विरुद्ध भ्रष्टाचार ब्यूरो में तुरंत मुकदमा दर्ज करवाना आवश्यक होता है और इन दोषियों को जेल होनी चाहिए वह पालिका को आगे भविष्य में कोष का नुकसान नहीं पहुंचा सके इसलिए अधिकारियों सहित नेताओं के विरुद्ध भी मुकदमा दर्ज करवाना आवश्यक है और ऐसे पट्टे को तुरंत खारीज कर यह जमीन पालिका को अपने कब्जे में लेनी व तारबंदी करनी चाहिए और वहां पर गरीबों के लिए छोटे फ्लोट काटकर देना चाहिए यहां गरीबों के लिए फ्लैट बनाकर देना चाहिए जिससे गरीब 300 या 400 परिवार निवास कर सके और उन गरीबों को एक छत जरूर मिल जाएगी जिसने भी नियम विरूद्ध पट्टे जारी किए हैं उनके विरुद्ध कारवाई होनी चाहिए इनका क्या कहना है

शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र में आखरीया भट्टे पर दो बडी सरकारी जमीन पर एक ही समुदाय के लोगों को बडे पट्टे बनाकर देना और सरकार को करोड़ों का नुकसान पहुंचाने वालो के विरुद्ध कारवाई करनी चाहिए और भष्ट्राचार ब्यूरो मे मुकदमा दर्ज कराना चाहिए और यह पट्टे खारिज करना चाहिए

जैसाराम माली अध्यक्ष जवाई पर्यावरण एव वन विकास समिति शिवगंज

शिवगंज नगर पालिका क्षेत्र में व जवाई नदी के किनारे पर व छिपा वास नुककड पर एक समुदाय को पट्टा दिया गया जो नियम विरूध है ईस पट्टे के लिए पालिकाध्यक्ष ने बोर्ड की मिटिंग बुलाई थी पुरा शहर बन्द रहा था बडा आदोलन खडा हुआ था शिवगंज शहर एक हुआ था चुनाव के दो दिन पूर्व वोट बैंक के चक्कर मे पट्टा जारी कर दिया जो शिवगंज की जनता के साथ धोखाधड़ी है तुरंत खारिज करना चाहिए यह पट्टा और रामदेवजी मंदिर मेले के लिए भोजन प्रसादी के लिए आरक्षित करनी चाहिए

सीमा देवी माली पार्षद नगर पालिका शिवगंज

शिवगंज के आखरीया भट्टे पर एक ही समुदाय के दो पट्टे बनाए गए वह शांति नगर में 12000 स्क्वायर फीट वह 7000 फिट सरकारी जमीन पर कब्जा करवाकर पट्टा बनाकर देने उसको फिर जमीन की पट्टा बनाने की तैयारी में पालिका प्रशासन बड़ी रकम लेकर पट्टा बनाने का ठेका भी ले लिया है कुछ दलालों के भरोसे चल रही नगर पालिका वह पालिका में दलाल अधिकारियों तक धन पहुंचाते हैं ऐसे भ्रष्टाचारी के विरुद्ध कार्यवाही होनी चाहिए वह सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करवा कर पालिका प्रशासन उसको पट्टे जारी कर रही है वह कितना गलत है इस जमीन पर राजमाताजी की धर्मशाला का निर्माण हो तो शहर का और भला हो जाएगा तभी सब की जांच करवाकर ऐसे भ्रष्टाचारियों को तुरंत जैल भेजना चाहिए

कमल सिंह चौहान उधमी एव समाज सेवी रिको शिवगंज

देवली-उनियारा थप्पड़ कांड पर सीकर में विरोध-प्रदर्शनःमीणा समाज ने सिर पर कफन बांधकर कलेक्ट्रेट को घेरा, बोले- नरेश मीणा को रिहा करें

सीकर राजस्थान के देवली-उनियारा में विधानसभा उप चुनाव में हुए थप्पड़ कांड के बाद निर्दलीय प्रत्याशी रहे नरेश मीणा के समर्थन में आदिवासी मीणा समाज के लोग सड़कों पर उतर आए हैं। सीकर में आज मीणा समाज के लोगों ने सिर पर कफन बांधकर आक्रोश रैली निकाली और कलेक्ट्रेट का घेराव कर विरोध-प्रदर्शन किया। समाज के लोगों ने आरोपी नरेश मीणा को जल्द रिहा करने की मांग की है। राजस्थान आदिवासी मीणा सेवा संघ (सीकर) की जिला कार्यकारी अध्यक्ष सीमा मीणा ने कहा- समरावता गांव में के दौरान निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा इलेक्शन के खिलाफ जो प्रशासन ने बर्बरता पूर्ण कार्रवाई की गई है, उससे मीणा समाज के लोगों में आक्रोश है। लोग आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस प्रशासन ने एक तरफा कार्रवाई की है जो गलत है। नरेश मीणा को जल्द रिहा किया जाए और आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। महामंत्री बाबूलाल मीणा ने कहा- नरेश मीणा ने गलती की है, हम उसके खिलाफ नहीं है लेकिन पहले जिसने गलती की उसे कोई नहीं देख रहा। एसडीएम का रिकॉर्ड भी पहले से ही बहुत खराब है। एसडीएम अमित चौधरी का आचरण अभद्र, तानाशाही और दबंगई वाला रहा है। सरकार ने उनको हिंडोली उपखंड अधिकारी के पद से एपीओ किया था। उनके द्वारा मालपुरा नगर पालिका क्षेत्र में नियम कायदों को ताक में रखकर तोड़फोड़ करने के मामले में कार्मिक विभाग ने जांच के आदेश जारी किए हैं।

जबरन मतदान कराना अपराध

बाबूलाल मीणा ने कहा- एसडीएम अब फंस चुका है। उसने एक अपाहिज महिला से जबरन मतदान कराया था, सबसे पहले अपराध वह है। जब जबरन मतदान कराया जा रहा था तो नरेश मीणा उसके विरोध में आया था। नरेश ने कोई गलती नहीं की। उन्होंने कहा- अगर नरेश मीणा पर मुकदमा दर्ज हुआ है तो एसडीएम पर क्यों नहीं हुआ। घटना के दौरान कलेक्टर साहिबा मौके पर क्यों नहीं गई, उन्हें जाना चाहिए था। उप चुनाव में लोकतंत्र की हत्या हो रही थी। नरेश मीणा ने उस हत्या को रोकने की कोशिश की थी। बाबूलाल मीणा ने कहा- नरेश मीणा सिर्फ मीणा समाज का कार्यकर्ता ही नहीं है। वह 36 कौम का कार्यकर्ता है। वह हर आदमी के लिए लाठी खाता है, पुलिस की लाठियों से उसके कोई फर्क नहीं पड़ता। आधी रात को पुलिस वालों ने गांव में घुसकर मारपीट की। इस घटना में मीडियाकर्मियों पर जो हमला हुआ है, उसके लिए हम खेद प्रकट करते हैं लेकिन रमेश मीणा को न्याय मिलना चाहिए। मीणा समाज के लोगों ने कहा- प्रदेश लेवल पर बड़ी मीटिंग होने जा रही है। आज आदिवासी मीणा समाज के लोगों द्वारा सभी जिलों में ज्ञापन दिए जा रहे हैं। इसके बाद संभाग स्तर पर मीटिंग होगी। हम देख रहे हैं कि मुख्यमंत्री कब तक इस मामले में संज्ञान लेते हैं।

अगर संज्ञान नहीं लिया तो हम मानवाधिकार आयोग में जाएंगे। इसके बाद सड़कों पर बड़ा आंदोलन होगा। इसके लिए समाज के लोग 7 दिनों बाद प्रत्येक गांव-ढाणी में जाकर पीले चावल बांटे जाएंगे। जिसके बाद फिर से सड़कों पर बड़ा आंदोलन होगा।

स्वात्याधिकारीः प्रकाशक एवं मुदकः पंकज गर्ग द्वारा नमस्ते राजस्थान 14/71, प्रेम भवन, चितौडवालो की हवेली के पास, इंद्रा मार्केट के सामने, शाम की सब्जी मंडी रोड, भोपालगंज, भीलवाड़ा, राजस्थान 311001 से प्रकाशित एवं डीबी कॉर्प लि. दैनिक भास्कर प्रिंटिग प्लांट, 12 इंद्रा सर्किल, गठिलाखेडा, शारदा ड्रिम कॉलोनी के पास चितौड रोड़, भीलवाड़ा राजस्थान से मुदित। संपादकः पंकज गर्ग, कार्यालय नंबरः 01482-455184, मों. 9214417111, 8005910698, E-MAIL:namasterajasthan11@gmail.com, nrnews100@gmail.com